बुधवार
25 मई 2022

पृष्ठ 4

अस्थमा के जोखिम कम करने में मदद कर सकते हैं ये एसेंशियल ऑयल्स

पृष्ठ 5

सिनेमा के मामले में अनुभव और मेरा डीएनए एक ही है:आयुष्मान

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 113
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

आज का विचार

तृष्णा वैतरणी नदी के समान है जिसके कारण मनुष्य को सदैव कष्ट झेलने पडते हैं।
— चाणक्य

चार धाम यात्रा फिर शुरू

विशेष संवाददाता

उत्तरकाशी/रुद्रप्रयाग। बारिश व बर्फबारी के कारण दो दिनों से बंद पड़ी चार धाम यात्रा को आज सुबह मौसम साफ होते ही फिर शुरू कर दिया गया है तथा हेली सेवाएं भी आज से संचालित हो गई हैं।

मौसम की विषमताओं के कारण केदारनाथ और यमुनोत्री धाम जाने वाले यात्रियों को स्थानीय प्रशासन द्वारा यात्रा पड़ावों पर रोक दिया गया था। दो दिन बाद आज इन यात्रियों को अगले पड़ावों के लिए रवाना किया गया है। गौरीकुंड से आज सुबह 15 हजार यात्रियों को केदारधाम के लिए रवाना किया गया। बाबा के दर्शनों के अभिलाषी श्रद्धालुओं में इस दौरान भारी उत्साह देखा गया। कई दिनों से पड़ावों पर रुके इन यात्रियों की भारी भीड़ के कारण सोनप्रयाग से गौरीकुंड और गौरीकुंड से धाम तक जाम की स्थिति देखी गई। इस दौरान गौरीकुंड से धाम के बीच 5 किलोमीटर के पैदल रास्ते पर इस कदर जाम की स्थिति देखी गई कि लोगों के पैर रखने की जगह भी नहीं बची थी। वही यमुनोत्री और गंगोत्री मार्गों पर आज श्रद्धालुओं की अपार भीड़ देखी गई। श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण हर्षिल और नंदानी के बीच 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। आमतौर पर इस रास्ते को तय करने में यात्रियों को आधे से एक घंटे का समय लगता है लेकिन जाम के कारण अब यह दूरी तय करने में 4 से 5 घंटे तक का समय लग रहा है।

❑केदार धाम में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब
❑गौरीकुंड से धम तक खचाखच भरे है यात्री
❑गंगोत्री मार्ग पर लगा है 5 किलोमीटर लंबा जाम

उधर चमोली से प्राप्त समाचारों के अनुसार आज सुबह से ही धाम में धूप खिली हुई है तथा मौसम सुहाना है। यात्रियों को दो दिन बाद सर्दी से थोड़ी राहत मिली है। बद्रीनाथ धाम के आसपास की पहाड़िया बर्फ से ढक चुकी है और धाम का नजारा अत्यंत ही मनमोहक लग रहा है। दो दिन के खराब मौसम के कारण जो यात्री पड़ावों पर ठहरे हुए थे आज यात्रा पर हैं सभी धामों में आज यात्रियों की भारी भीड़ है। उल्लेखनीय है कि अब तक सभी चारों धामों में दस लाख से भी अधिक यात्री पहुंच चुके हैं। सबसे ज्यादा यात्री केदारधाम पहुंचे हैं अब तक केदार धाम में 3 लाख 40 हजार लोग दर्शन कर चुके हैं वहीं बद्रीनाथ धाम में 3 लाख 15 हजार लोग पहुंचे हैं। गंगोत्री धाम में अब तक एक लाख 41 हजार और यमुनोत्री धाम में 1 लाख 90 हजार लोग दर्शन कर चुके हैं। जबकि हेमकुंड साहिब जाने वाले 7 हजार श्रद्धालु हैं चार धाम यात्रा के दौरान अब तक विभिन्न कारणों से 70 से से अधिक लोगों की जान जा चुकी है सबसे ज्यादा 34 मौतें केदार धाम यात्रा के दौरान हुई है।

रजिस्ट्रेशन बंद होने से हजारों यात्री परेशान

विशेष संवाददाता

हरिद्वार/ऋषिकेश। देव दर्शन की अभिलाषा लेकर देश के कोने-कोने से आए हजारों हजार चारधाम यात्री रजिस्ट्रेशन बंद होने से परेशान हैं। अब इन यात्रियों को यह समझ नहीं आ रहा है कि वह करे तो क्या करें?

सरकार द्वारा बिना रजिस्ट्रेशन चार धाम यात्रा पर बैन लगा दिया गया है। जो लोग ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं वही यात्रा पर जा रहे हैं। जो लोग यह सोच कर आए थे कि उत्तराखंड जाकर ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन करा लेंगे अब वह यात्री भारी संकट में फंसे हुए हैं। क्योंकि हरिद्वार और ऋषिकेश में बीते कई दिनों से रजिस्ट्रेशन बंद हैं और यात्री रजिस्ट्रेशन की प्रतीक्षा कर रहे हैं इन यात्रियों का कहना है कि यात्रा पर आने से पहले उन्हें इसकी कोई जानकारी नहीं थी हमेशा की तरह उनकी यही सोच थी कि घंटे-दो घंटे में रजिस्ट्रेशन हो जाएगा और वह यात्रा पर चले जाएंगे। इन यात्रियों की मुश्किल यह भी है कि इन्हें कोई यह बताने वाला अधिकारी या कर्मचारी भी उपलब्ध नहीं है कि जो यह बता सकें की रजिस्ट्रेशन कब शुरू होंगे। इनमें से कुछ यात्री तो ऐसे भी हैं जो कई कई दिनों से यहां डेरा जमाए हुए हैं। उनका कहना है कि जब घर से यात्रा पर निकले हैं तो अब बिना दर्शन किए घर कैसे लौट जाए? इसलिए इंतजार कर रहे हैं। कुछ यात्री इसलिए भी परेशान हैं क्योंकि एक ही पड़ाव पर रुके रहने से उनका यात्रा खर्च भी बढ़ता जा रहा है।

❑कई दिनों से हरिद्वार-ऋषिकेश में पड़े हैं यात्री

यात्रियों का कहना है कि सरकार अगर हमें सभी धामों की यात्रा नहीं करा सकती है तो एक ही धाम की यात्रा पर जाने दें। उनका कहना है कि हम आखिर कब तक यहां पड़े रहेंगे? कुछ का कहना है कि एक-दो दिन और इंतजार करते हैं रजिस्ट्रेशन नहीं होगा तो वापस लौटना ही विकल्प है। उधर धामों से लौटने वाले यात्रियों को भी वाहन उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं।

बारामूला में मुठभेड़ में तीन पाकिस्तानी आतंकवादी ढेर, पुलिसकर्मी शहीद

जम्मू। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर के बारामूला जिले के क्रीरी इलाके में नजीभट चौराहे पर बुधवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई जिसमें तीन पाकिस्तानी आतंकी ढेर कर दिए गए और पुलिस का एक जवान शहीद हो गया।

पुलिस ने यह जानकारी दी। दरअसल सुरक्षाबलों को जानकारी मिली थी कि, तीन पाकिस्तानकी आतंकी बारामुला में घूम रहे हैं जिसके जवानों ने वहां तलाशी अभियान चलाया।

खबरों के मुताबिक सुरक्षाबलों द्वारा आतंकियों की तलाश में चलाए जा रहे तलाशी अभियान के समय आतंकियों ने अचानक जवानों पर फायरिंग शुरू कर दी जिसके बाद मुठभेड़ शुरु हो गई। खबरों के मुताबिक इस मुठभेड़ में करीब तीन पाकिस्तानी आतंकी ढेर कर दिए गए हैं। वहीं जम्मू–कश्मीर पुलिस का एक जवान भी शहीद हो गया है। इसके अलावा इलाके में सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है।

बता दें कि, इससे पहले मंगलवार को भी आतंकियों ने श्रीनगर में एक पुलिस कांस्टेबल की गोली मारकर हत्या कर दी। इस हमले में पुलिसकर्मी सैफुल्लाह कादरी गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे, जिनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। यही नहीं इस हमले में उनकी नौ वर्ष की बेटी भी जख्मी हो गई थी जिसका इलाज जारी है।

एक दिन में आए कोरोना संक्रमण के 2124 नए केस

नई दिल्ली । भारत में कोरोना संक्रमण के दैनिक मामलों में उतार–चढ़ाव का दौर जारी है। बीते दिन राहत के बाद एक बार फिर देश में कोरोना के २ हज़ार से ज्यादा मामले दर्ज हुए। वहीं एक्टिव केस में भी मामूली बढ़ोतरी दर्ज हुई है। इसके साथ ही एक दिन के अंदर कोरोना संक्रमण से १७ लोगों की मौत हो गई।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा बुधवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के २,१२४ नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की संख्या बढ़कर ४,३१,४२,१९२ हुई तथा १७ और लोगों की मौत होने के बाद मृतक संख्या बढ़कर ५,२४,५०७ हो गई।

मंत्रालय के अनुसार, एक्टिव केस की संख्या संक्रमण के कुल मामलों का ०.०३ प्रतिशत है, जबकि कोविड–१९ से स्वस्थ होने का नेशनल रेट ९८.७५ प्रतिशत है। पिछले २४ घंटे में एक्टिव मरीजों की संख्या में १३० की वृद्धि हुई है। देश में डेली पॉजिटिविटी रेट ०.४६ प्रतिशत और वीकली पॉजिटिविटी रेट ०.४६ प्रतिशत है। वहीं, कोरोना वायरस संक्रमण से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर ४,२६,०२,७१४ हो गई है, जबकि मृत्यु दर १.२२ प्रतिशत दर्ज की गई है।

मंत्रालय ने बताया कि बीते २४ घंटे में कोरोना से १,९७७ मरीज ठीक भी हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस अब १४,९७१ हो गए हैं। डेली पाजिटिविटी दर ०.४६त्न हो गई है। अब तक कुल ५ लाख २४ हजार ५०७ लोग कोरोना से अपनी जान गंवा चुके हैं।

देश में सोमवार को कोरोना संक्रमण के २,०२२ मामले सामने आए थे। वहीं, इस दौरान २,०९९ लोग कोरोना से ठीक भी हुए हैं। इसके अलावा सोमवार को २४ घंटे में कोरोना के कारण ४६ मरीजों की मौत भी हुई थी। वहीं, मंगलवार को देश में १,९७५ नए मामले सामने आए थे। जबकि १,९३५ ठीक हुए और ३१ लोगों की मौत हुई थी।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मंगलवार को कोरोना के ४१८ नए केस मिले थे। वहीं, दो लोगों की मौत हुई, साथ ही ३९४ मरीज ठीक हुए हैं। दिल्ली में संक्रमण दर २.६९ से घटकर २.२७ प्रतिशत हो गई है।

दून वैली मेल

संपादकीय

भगवंत मान को साधुवाद

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान नें भ्रष्टाचार के आरोपी स्वास्थ्य मंत्री डॉ विजय सिंगला को न सिर्फ अपने मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर दिया गया अपितु उन्हें जेल भिजवा दिया गया है। भगवंत मान द्वारा किए गए इस काम के लिए आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उनकी पीठ थपथपाई है और कहा है कि भ्रष्टाचार देश के साथ विश्वासघात है हमें भगवंत मान पर नाज है। इसके साथ ही मान का कहना है कि भ्रष्टाचार के इस मामले को वह अकेले ही जानते थे और चाहते तो इसे वह दबाये भी रख सकते थे लेकिन मैंने खटकल कलां की पवित्र भूमि से भ्रष्टाचार को मिटाने की शपथ ली है। सही मायने में जब देश भर में चारों ओर भ्रष्टाचार की जय-जयकार हो रही है। नेता और ब्यूरोक्रेट्स मिलकर आम आदमी और सरकारी धन को लूटने में लगे हुए हैं ऐसे समय में अगर किसी नेता या सरकार द्वारा वैसा उदाहरण पेश किया जाता है जैसा भगवंत मान ने किया है तो उस पर आश्चर्य होना स्वाभाविक ही है। जब आम आदमी पार्टी का उदय हुआ था और उसने दिल्ली के विधानसभा चुनाव में एक नहीं दो दो बार रिकार्ड बहुमत के साथ जीत दर्ज की थी तो सभी लोग हैरान रह गए थे। दिल्ली पर बड़ी जीत के बाद पंजाब दूसरा ऐसा राज्य बना जहां 2022 के चुनाव में जनता ने रिकॉर्ड बहुमत के साथ सत्ता की चाबी सौंपी है। 119 सदस्यीय सदस्य विधानसभा में आप ने 92 सीटें जीतकर सभी को चौंका दिया था। इतने बड़े बहुमत वाली सरकार से जिस तरह की जन अपेक्षाएं होती हैं वह भी बड़ी ही होती हैं। आज जब राजनीति अनैतिक तरीकों से लूट का जरिया बन चुकी है और इस लूट और भ्रष्टाचार को रोकने वाला कोई नहीं रहा है। ऐसी स्थिति में अगर कोई दल या नेता इस दिशा में कोई सार्थक पहल करता है तो लोग उसे सर आंखों पर बैठायेगें ही। अन्ना हजारे ने भ्रष्टाचार के खिलाफ दिल्ली में जो आंदोलन किया था उस दौरान हमने देखा था कि देश के कोने-कोने से करोड़ों लोगों की भीड़ उनके समर्थन में उमड़ पड़ी थी। लोगों का कहना है कि आजादी के आंदोलन के बाद यह देश में होने वाला सबसे बड़ा आंदोलन था। जिससे यह उम्मीद जागी थी कि भ्रष्टाचार पर कुछ न कुछ तो सकारात्मक होगा। इस आंदोलन ने तत्कालीन केंद्र सरकार को भी घुटनों पर ला दिया था लेकिन राजनीति के कुछ माहिर खिलाड़ियों द्वारा बड़ी चतुराई से इस आंदोलन की हवा निकाल दी गई। लोकपाल और लोकायुक्त की परिकल्पना को इन भ्रष्टाचारी नेताओं और ब्यूरोक्रेट्स ने मजाक बनाकर रख दिया। उत्तराखंड जो देश का सबसे पहला राज्य, जिसने सबसे पहले लोकायुक्त गठन की पहल की थी वह इसका एक उदाहरण है जहां आज तक भी लोकायुक्त सत्ता में बैठे लोगों ने अस्तित्व में नहीं आने दिया। इन नेताओं को भगवंत मान जैसे लोगों से सबक लेने की जरूरत है। बीते समय पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कहा था कि केंद्र से गरीब कल्याण योजनाओं के लिए जो एक रूपया भेजा जाता है वह उन तक पहुंचते-पहुंचते 10 पैसे रह जाता है। अब पीएम मोदी भी भ्रष्टाचार को देश की एक बड़ी समस्या बता रहे हैं। लेकिन इसे रोकने के प्रयास क्यों नहीं किए जाते? इसका कोई जवाब किसी के पास नहीं है। अंत में एक बार फिर सीएम मान के प्रयासों के लिए उन्हें दिल से साधुवाद।

विधायक और डीएम की अध्यक्षता में हुई चिकित्सा प्रबंधन समिति की बैठक

नई टिहरी (आरएनएस)। टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय की मौजूदगी और डीएम इवा श्रीवास्तव की अध्यक्षता में जिला अस्पताल बौराड़ी चिकित्सा प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अस्पताल के लिए विभिन्न सामग्रियों के क्रय और अनुरक्षण के लिए 24 लाख के प्रस्तावों को अनुमोदित किया गया। मंगलवार को वीसी कक्ष में आयोजित बैठक में विधायक किशोर उपाध्याय ने अस्तपाल को रेफर सेंटर बनने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि डॉक्टर इसे गंभीरता से लेकर स्थिति में सुधार करें। डीएम ने सीएमओ को निर्देशित करते हुए कहा कि निशुल्क जांच से संबंधित जानकारी का बड़े स्तर पर प्रचार-प्रसार करने के साथ ही निशुल्क जांच संबंधी सूचना बोर्ड चिकित्सालय में लगवाना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही चिकित्सालय में होने वाले अल्ट्रासाउंड का ब्लॉक वाइज रोस्टर बनाकर प्रचार-प्रसार करें। अस्पताल में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाय। सीएमओ डा. संजय जैन ने बताया कि जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े वाहन चालकों के 14 पद रिक्त चल रहे हैं, जिन्हें भरे जाने के लिए शासन स्तर से निरन्तर पत्राचार किया जा रहा। बैठक में चिकित्सालय के पैथोलॉजी विभाग, नेत्र रोग विभाग, आकस्मिक विभाग के लिए सामग्री क्रय करने, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के लिए एक मोबाइल हैंडसेट क्रय करने, कुर्सियां, आलमारी, रैक, चिकित्सालय में कार्यरत कर्मचारियों के आईडी कार्ड बनवाने, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के कक्षद्वार में एल्युमीनियम पार्टिशन कराये जाने, वैक्सीनेशन कक्ष तथा टेलीमेडिसन को कंप्यूटर, प्रिंटर व यूपीएस क्रय करने, ऑपरेशन थियेटर के लिए एक ओटी लाइट क्रय, आईडीएसपी लैब का रिनोवेशन, कार्यालय में रंगाई-पुताई, अनुरक्षण कार्य किये जाने के प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए। इसके साथ ही चिकित्सालय में एक शव वाहन क्रय करे पर भी चर्चा हुई। बैठक नगर पालिका अध्यक्ष सीमा कृषाली, वरिष्ठ कोषाधिकारी नमिता सिंह, सांसद प्रतिनिधि जीतराम भट्ट आदि मौजूद रहे।

अग्निकांडों से बचाव की तरकीब

वेद प्रताप वैदिक

पिछले चार साल में दिल्ली में आगजनी की भयंकर घटनाएं हुई हैं। लेकिन न तो जनता ने कोई सबक सीखा और न ही सरकारों ने कोई मुस्तैदी दिखाई। इसीलिए दिल्ली के मुंडका क्षेत्र में जबर्दस्त लोमहर्षक अग्निकांड हो गया है। एक चार मंजिला भवन में कुछ कंपनियों के दफ्तर चल रहे थे। वहां न तो कोई कारखाना था और न ही कोई भट्टी या चूल्हा था। शायद बिजली की खराबी से आग लगी। लगभग 30 लाशें तो कल ही मिल गई थीं और 30 से भी ज्यादा लोग अभी तक लापता हैं।

जो लाशें मिली हैं, वे इस बुरी तरह जल गई हैं कि उन्हें पहचानना भी मुश्किल है। कई लोग खिड़कियों से कूदे तो उनके हाथ पावं टूट गए, कुछ लोग अपने अधजले शरीरों के साथ बाहर भागे और कुछ लोग उस भवन से इसलिए बाहर नहीं भाग पाए कि नीचे उतरने के लिए सिर्फएक ही संकरी सीढ़ी थी। उस सीढ़ी पर भयंकर धकापेल थी और धुएं व आग ने उन्हें बिल्कुल बेकार बना दिया था। दिल्ली और केंद्र की सरकार ने हताहतों को काफी मुआवजे की घोषणा कर दी है लेकिन क्या किसी की जान को रूपयों से तोला जा सकता है?

दिल्ली में ही नहीं, देश के हर शहर में आजकल ऊँचे-ऊँचे भवनों का निर्माण हो रहा है। हर ऊँचा भवन खतरे की घंटी बजाता रहता है। उसमें कभी भी आग लग सकती है और उसका कारण कुछ भी हो सकता है। सरकारों ने ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कानून-कायदे जरुर बनाए हैं लेकिन उन्हें लागू करने में सर्वत्र ढिलाई देखी जाती है। भवन-निर्माता लोग सुरक्षा प्रमाण-पत्र आसानी से हथिया लेते हैं। जब आग लग जाती है, तब मालूम पड़ता है कि वह सुरक्षा पत्र उन्हें रिश्वत के बदले मिला है।

अग्नि सुरक्षा से संबंधित सभी अफसरों और कर्मचारियों को इस तरह के अग्निकांड होने पर जिम्मेदार क्यों नहीं ठहराया जाता? जब-जब इस तरह के अग्निकांड होते हैं तो हमारी फायर ब्रिगेड के कर्मचारी अपनी जान पर खेलकर नागरिकों की सुरक्षा करते हैं। उनकी बहादुरी सराहनीय है। इसी प्रकार आस-पास रहनेवाले नागरिक भी अग्निपीड़ितों को बचाने की भरपूर कोशिश करते हैं। वे सीढियां लगा देते हैं, ऊपर से कूदनेवालों के लिए नीचे तिरपाल थामे रहते हैं, जलत हुए भवन म अदर घुसकर हताहतो को बाहर निकाल लाते हैं लेकिन दुर्भाग्य है कि अभी तक किसी सरकारी या गैर-सरकारी संगठन ने अग्निकांड से बचाव का ऐसा इंतजाम नहीं खोजा है कि जिससे सैकड़ों लोगों की जान तुरंत बचाई जा सके।

मध्यप्रदेश में सतना के एक युवा अजयपाल सिंह ने आज ही मुझे एक ऐसी यांत्रिक तरकीब से परिचित करवाया, जिससे सैकड़ों लोग की जान मिनिटों में बच सकती है, चाहे वे 50 मंजिले भवन की आग में ही क्यों न फंसे हो। यदि हमारे व्यापार और उपभोक्ता मंत्री पीयूष गोयल कुछ पहल करें तो इस विभीषिका से वे भारत को ही नहीं, संसार के सभी देशों को बचा सकते हैं। इस यांत्रिक तरकीब से, जो मंहगी भी नहीं है, भारत चाहे करोड़ों-अरबों डॉलर भी कमा सकता है।

प्रतिबंधों का उलटा असर ?

रूसी मुद्रा रुबल इस साल अब तक दुनिया में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली मुद्रा साबित हुई है। उधर अनुमान है कि रूस में इस साल रिकॉर्ड व्यापार मुनाफा होगा। तो क्या रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों का उलटा असर हो रहा है?

दो खबरों पर गौर कीजिए। अमेरिकी वेबसाइट ब्लूमबर्ग ने बताया है कि रूसी मुद्रा रुबल इस साल अब तक दुनिया में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली मुद्रा साबित हुई है। उधर लंदन की मशहूर पत्रिका द इकॉनमिस्ट ने अनुमान लगाया है कि रूस में इस साल रिकॉर्ड व्यापार मुनाफा होगा। तो ये सवाल उठेगा कि क्या रूस पर लगाए गए पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों का उलटा असर हो रहा है? एक तरफप्रतिबंधों के परिणामस्वरूप पश्चिमी देशों में महंगाई और आर्थिक समस्याएं बढ़ी हैं। जबकि ऐसा लगता है कि रूसी अर्थव्यवस्था कुछ मामलों में मजबूत हुई है। ब्लूमबर्ग ने कहा है कि रूस ने पूंजी नियंत्रण की नीति अपना कर रुबल को ढहने से बचा लिया है। इस साल के आरंभ में अमेरिकी डॉलर की तुलना में रुबल का जो भाव था, बीते हफ्ते उसकी कीमत उससे 11 प्रतिशत अधिक थी। दुनिया के किसी अन्य देश की मुद्रा की कीमत इस वर्ष इतनी नहीं बढ़ी। 31 देशों की मुद्राओं के आकलन के आधार पर ब्लूमबर्ग ने ये निष्कर्ष निकाला है।

द इकॉनमिस्ट ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि रूस ने हालांकि व्यापार के बारे में हर महीने आंकड़े जारी करना रोक दिया है, लेकिन उससे व्यापार कर रहे देशों के आंकड़ों से संकेत मिला है कि रूस का व्यापार लाभ तेजी से बढ़ रहा है। पिछले नौ मई को चीन ने बताया कि रूस को उसके निर्यात में लगभग 25 प्रतिशत की गिरावट आई है। लेकिन रूस से आयात 56 प्रतिशत बढ़ा है। मार्च में रूस को जर्मनी के निर्यात में 62 प्रतिशत की गिरावट आई। जबकि रूस से वहां आयात सिर्फतीन फीसदी घटा। रूस के सबसे बड़े आठ व्यापार सहभागियों के मामले में ऐसा ही रुझान देखा गया है। उनके मुताबिक रूस को हुए निर्यात में जहां 44 फीसदी गिरावट आई है, वहीं रूस से होने वाला आयात आठ प्रतिशत बढ़ा है। रूस पर पश्चिमी देशों ने जब सख्त प्रतिबंध लगाए, तब रुबल की कीमत धड़ाम से गिरी थी। लेकिन बाद में रूसी सेंट्रल बैंक ने उसे संभाल लिया। सवाल है कि क्या लाभ की यह स्थिति टिकाऊ होगी? ऐसा हुआ, तो पश्चिम के लिए मुश्किल स्थिति खड़ी हो सकती है। (आरएनएस)

पृष्टो दिवि धाय्यग्निः पृथिव्यां नेता सिन्धूनां वृषभ स्तियानाम्।
स मानुषीरभि विशो वि भाति वैश्वानरो वावृधानो वरेण।।

(ऋग्वेद ७-५-२)

दिव्य अग्नि पृथ्वी और आकाश दोनों में व्याप्त है। यह ही वर्षा कराती है और जल से भरी नदियों को चलाती है। यह हम सभी में व्याप्त है और हमें उत्तम कर्म करने के लिए प्रेरित करती है।

Divine fire pervades both the earth and the sky. It is that which brings rain and runs rivers full of water. It pervades all of us and inspires us to do good deeds.

(Rig Veda 7-5-2)

त्रिपुरा में भाजपा की राह मुश्किल

त्रिपुरा में भाजपा ने सीपीएम का 25 साल का राज खत्म किया था। यह बहुत बड़ी बात थी। लेकिन पांच साल पूरा होने से पहले ही भाजपा की स्थिति बिगडने लगी है। मुख्यमंत्री बिप्लब देब को हटाना इसका एक संकेत है। लेकिन इसके अलावा भी पार्टी की स्थिति कमजोर हुई है। आदिवासियों के बीच पार्टी को लेकर नाराजगी बढ़ी है तो कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में शामिल हुए नेता वापस लौटने लगे हैं। राज्य सरकार में मंत्री रहे पूर्व कांग्रेसी नेता भाजपा छोड़ कर चले गए हैं और कांग्रेस में वापस लौट गए हैं। नए चुने गए मुख्यमंत्री का पार्टी के अंदर ही विरोध शुरू हो गया है। भाजपा की सहयोगी इंडेजेनस पीपुल्स फ्रंट ऑफत्रिपुरा यानी आईपीएफटी में विभाजन की संभावना दिख रही है। पार्टी ने राज्य सरकार के भू राजस्व मंत्री एनसी देबबर्मा को अधय्क्ष चुना है, जिनका पूर्व अध्यक्ष मेवल कुमार जमातिया विरोध कर रहे हैं। आदिवासी मतदाताओं में इस पार्टी का अच्छा खासा असर है। उधर आदिवासियों का प्रतिनिधित्व करने वाला एक दूसरा संगठन त्रिपुरा इंडिजेनस प्रोग्रेसिव रीजनल एलायंस यानी टिपरा की भी भाजपा से नाराजगी बढ़ी है। ध्यान रहे त्रिपुरा में 60 में से 20 सीटें आदिवासियों के लिए आरक्षित हैं और इसके अलावा 15 सीटों पर उनका अच्छा खासा असर है। सो, एक तरफदलबदल कर आने वाले नेताओं की नाराजगी दूसरी ओर भाजपा और संघ के नेताओं के बीच आपसी खींचतान और तीसरे, आदिवासी समूहों की नए सिरे से गोलबंदी भाजपा के लिए मुश्किल पैदा कर सकती है।(आरएनएस)

नंदा देवी राजजात का अंतिम पड़ाव वाण लाटू देवता के मंदिर में बाबा विस्वनाथ माँ जगदीशिला की डोली यात्रा का स्वागत करते हुए लोग।

पुलिस ने साईबर ठगी का शिकार महिला के खाते में लौटाई धनराशि

हमारे संवाददाता

पौड़ी। साईबर ठगी का शिकार हुई महिला के खाते में पुलिस के कड़े प्रयासों के बाद हजारों की धनराशि वापस लौटाई गयी है।

जानकारी के अनुसार पिछले दिनों ललिता कुमार निवासी बीईएल कालोनी कोटद्वार द्वारा शिकायती पत्र दिया था कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके साथ 17,698 रूपये की ऑनलाईन ठगी की गयी है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए साईबर सेल ने आवेदिक के खाते से काटी गयी धनराशि का लेन-देन का विवरण प्राप्त किया गया। आवेदिका के खाते से कटी धनराशि के सम्बन्ध में सम्बन्धित पेमेन्ट गेटवे के नोडल अधिकारी से पत्राचार कर आवेदिका के खाते से कटी धनराशि 17,698 रूपये आवेदिका के खाते में वापस करायी गयी। पीड़ित महिला द्वारा साईबर सैल के उक्त कार्य की सराहना करते हुए धन्यवाद ज्ञापित' किया गया। आमजन द्वारा साइबर ठगी का शिकार होने पर सूचना साइबर सेल को दी जा रही है। सूचना पर साईबर सैल द्वारा तत्परता से कार्य किया जा रहा है, जिसमें जनपद की साइबर सेल को सफलता भी प्राप्त हो रही है।

शराब के साथ महिला गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ महिला को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने चैकिंग के दौरान कोहली अस्पताल के पास एक महिला को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडी हुई। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से दो पेटी शराब की बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम सपना पत्नी राजकुमार निवासी आईडीपीएल बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक की मौत

संवाददाता

देहरादून। अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज। मृतक के भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बिजनौर निवासी कोमल सिंह ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका भाई केशव कुमार जोकि फूल सजावट का काम करता था। वह रात्रि में बल्लीवाला चौक से बडोवाला शिमला बाईपास की तरफ जा रहा था जब वह टी प्वांइट के पास पहुंचा तभी अज्ञात वाहन ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे उसकी मृत्यु हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

चिकित्सक के साथ मारपीट में दो नामजद

संवाददाता

देहरादून। चिकित्सक के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने दो लोगों को नामजद कर मामले की जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कारगी चौक निवासी डा0 मनीष कुमार शर्मा (केरोनेशन अस्पताल के ईएमओ) ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने घर के पास में अपने दोस्त डा0 अक्षत के साथ वाक कर रहा था तभी कार्गी चौक पर, राजकुमार राणा जिसको वह जानते हैं अपने मित्र के साथ खडा था। राजकुमार राणा वह उसका दोस्त सिद्धार्थ उसके साथ अभद्रता करने लगे उसने मना किया तो दोनो ने मिलकर उसके साथ हाथा-पाई करी, और कहने लगे कि तुझे जाने से मारे देगें पहले भी तुझे समझा चुके हैं। इसपर वह व उसका दोस्त डा0 अक्षत इन लोगो को रोकने का प्रयास करते रहे इन दोनो ने मिलकर उसके सर व पैर पर बोतल व लाठी-डण्डो से जान से मारने की नियत से वार कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

गौमुख में क्यों लगी ट्रॉली ?

श्रद्धालु, पर्यटक व पर्वतारोही जान जोखिम में डालकर खराब क्षतिग्रस्त ट्रॉली से गँगा पार कहाँ जा रहे हैं ? आखिर हिमालय को रौंदने, हिमालय को लांघने और हिमालय पर विजय पाने की होड़ क्यों मची है?

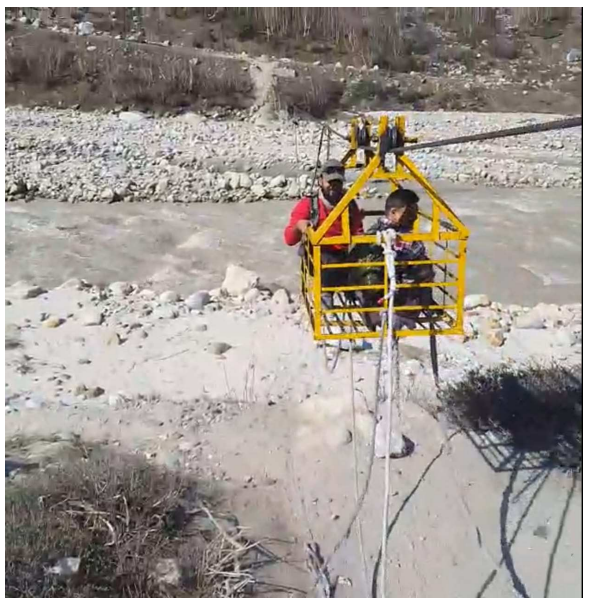

सवाल अपने आप में अटपटा जरूर है। इसलिए इसको जानने के लिए आज गंगोत्री में गँगा नदी पर सबसे छोटे पुल के बाद आज आपको लिए चलते हैं सीधे माँ गँगा के उदगम गौमुख में। जहाँ पृथ्वी पर अवतरित होती हैं माँ गँगा।

गोमुख में क्यों लगी है या लगाई गई है माँ गंगा को पार करने के लिए ट्रॉली? दरअसल श्रद्धालु, पर्यटक, तीर्थयात्री, साधु संत सन्यासी लोग, पर्वतारोही गंगोत्री से गोमुख, तपोवन, नंदनवन और अति उत्साही पर्वतारोही व श्रद्धालु हिमालय को लांघते हुए बद्रीनाथ तक पहुंच जाते हैं।

गोमुख से आगे उच्च हिमालय में तपोवन, नंदनवन, सुंदरवन जैसे दिव्य स्थल हैं। इसके अलावा गोमुख से आगे हिमालय की १०० से अधिक हिम चोटियां हैं जो पर्वतारोहण के लिए पर्वतारोहियों के लिए खास आकर्षण व चुनौती पूर्ण हैं। प्रतिवर्ष सैकड़ों हजारों की संख्या में पर्वतारोही गंगोत्री ग्लेशियर से आगे पहुंचते हैं। गंगोत्री से गोमुख तक का १८ किलोमीटर पैदल मार्ग आजतक गँगा के बाएं तट से ही होकर गुजरता है। ये अलग बात है कि दसकों पहले ये मार्ग गँगा के दाएं तट से होकर गुजरता था जो भूस्खलन व दूसरी घटनाओं के चलते बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। अभी पिछले ५० वर्षों से गोमुख तक गँगा के बाएं तट से होकर गौमुख पहुंच रहे हैं लोग। और गोमुख से ५ किलोमीटर आगे तपोवन का रास्ता गोमुख से आगे बाएं तट से होकर और फिर गंगोत्री ग्लेशियर को लांघकर दाएं ओर आ जाते थे। इसके बाद आगे ५ किलोमीटर दूर तपोवन पहुंचा जाता है।

लंबे समय तक देश के प्रतिष्ठित संस्थान (नीम) नेहरू पर्वतारोहण संस्थान ने अपने सभी तरह के कोर्स के प्रशिक्षण गंगोत्री ग्लेशियर के ऊपर ही लिए। जब दुनियाभर में ग्लेशियर के पिघलने का शोर मचा तो नीम ने गंगोत्री ग्लेशियर के ऊपर से अपने सभी प्रशिक्षण बंद कर दिए। ये अलग बात है कि आज भी हिमालय और उसकी विभिन्न चोटियों को रौंदने से पहले बर्फीले इलाकों पर जाने का प्रशिक्षण किसी न किसी ग्लेशियर में ही लिया जा रहा है।

खैर, ये अलग विषय व मुद्दा है। आज हम बात कर रहे हैं गोमुख में लगी ट्रॉली के बारे में। जैसा कि बताया गया है कि तपोवन जाने के लिए गंगोत्री ग्लेशियर को लांघकर जाते थे इसलिए धार्मिक आधार पर ये मांग थी कि माँ गंगा के उदगम ग्लेशियर को न लाँघा जाय। दूसरा पिछले २० वर्षों से गोमुख में गंगोत्री ग्लेशियर के दोनों ओर की पहाड़ियों पर भूस्खलन सक्रिय हैं जो माँ गँगा के उद्गम गोमुख को विकृत कर रहे हैं। इन्ही भूस्खलन के चलते माँ गँगा की धारा कभी इधर कभी उधर धकेली जा रही है।

२० वर्ष पहले जिन लोगों ने गोमुख को देखा होगा वे आज गोमुख को देखेंगे तो दृश्य ठीक उलट व विकृत हैं। धार्मिक आस्था तो छोड़ दीजिय लेकिन इन सक्रिय भूस्खलन के चलते तपोवन जाने का रास्ता पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। इसलिए गौमुख में ट्रॉली लगाई गई ताकि श्रद्धालु, पर्यटक व पर्वतारोही साधु संत सन्यासी तपोवन व उससे आगे हिमालय की यात्रा निर्वाध कर सकें। लेकिन आज गोमुख में लगी ट्रॉली क्षतिग्रस्त है। हालांकि गंगोत्री नेशनल पार्क के रेंजर श्री प्रताप सिंह पंवार जी ने भरोसा दिया था कि जल्द ही एक दो दिन में ट्रॉली को ठीक करवा लिया जाएगा।।

– लोकेंद्र सिंह बिष्ट

जयंती पर श्री देव सुमन को याद किया

नगर संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने आज बैठक कर श्री देव सुमन जी की जयंती के अवसर पर उन्हें याद किया गया। स्मरण रहे कि 25 मई को श्री देव सुमन जी की जयंती है और उनकी पुण्य तिथि 25 जुलाई है।

इस मौके पर समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल ने कहा कि शहीद श्रीदेव सुमन जी को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम अन्याय के खिलाफ अपनी आवाज को बुलंद रखें तथा किसी के साथ अन्याय न होने दे।

प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ने कहा कि श्रीदेव सुमन जी ने हमेशा राजशाही के खिलाफ अपनी आवाज को उठाया जिसका नतीजा यह हुआ कि अंग्रेजों ने उन्हें शहीद कर दिया लेकिन वह अंत तक संघर्ष करते रहे। इस अवसर पर देहरादून नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन स्वर्गीय दीना नाथ सलूजा को और उनके इस शहर देहरादून और मानवता के प्रति योगदान को याद किया गया और उनको श्रद्धांजलि दी गई

इस अवसर पर प्रभात डंडरियाल, आरिफ वारसी, राम सिंह प्रधान ,राजकुमार बत्रा,अरुण खरबंदा, मनोज सिंघल ,प्रवीण शर्मा, प्रवीण गुप्ता ,दानिश नूर,आदि उपस्थित रहे।

अमर शहीद श्रीदेव सुमन की 106वीं जयंती पर उक्रांद ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

नगर संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड क्रांति दल द्वारा अमर शहीद श्रीदेव सुमन की 106वीं जयंती पर उन्हे विनम्र श्रद्धांजलि दी गयी। इस अवसर पर श्रीदेव सुमन को याद करते हुए सुनील ध्यानी ने कहा कि श्रीदेव सुमन का जन्म जोल गाँव टिहरी गढ़वाल हरिराम बडोनी माता तारा देवी के यहां 25 मई 1916 को हुआ था, उन्होने कहा कि उस समय किसे पता था कि श्री देव सुमन भविष्य का जननायक बनेगें। उन्होने मिडिल तक कि पढ़ाई टिहरी मे की और राजशाही के खिलाफ उन्होंने बिगुल फुका, यही नहीं गांधी जी द्वारा चलाये गये नमक आंदोलन से लेकर सत्याग्रह मे देश की आजादी मे अपनी बड़ी भूमिका निभायी। टिहरी राजशाही के खिलाफ उन्होंने प्रजामंडल का गठन किया, जिसमें सेकड़ों लोग जुड़े और टिहरी राजा के खिलाफ आंदोलन चरम सीमा तक पहुंचा जिसका यह परिणाम निकला कि श्रीदेव सुमन को टिहरी साम्राज्य मे प्रवेश करने पर रोक लगा दी गयी। आखिर मे राजा द्वारा उनको बंदी बनाकर जेल मे डाल दिया गया जहाँ उन्होंने व्यवस्था के खिलाफ अनशन रखा उनका अनशन 84 दिन चला अंत मे वीर नायक अमर शहीद श्रीदेव सुमन ने 25 जुलाई 1944 मे आखिरी सांस ली। इस अवसर पर वक्ताओं ने यह भी कहा कि श्रीदेव

❑टिहरी बांध का नाम सुमन सागर बांध रखे जाने की मांग

सुमन के नाम पर टिहरी डेम का नाम सुमन सागर बाँध रखा जाय। उन्होने कहा कि यह मांग उत्तराखंड क्रांति दल 2004 से करता आया हैं।

इस अवसर पर डॉ शक्ति शैल कपरुवाण,दीपक गैरोला,जय प्रकाश उपाध्याय,शकुंतला रावत, किरन रावत कश्यप, सुशीला पटवाल, राजेंद्र गुसांई, सुमित डंगवाल, वीरेंद्र,प्रभात डंडरियाल आदि उपस्थित रहे।

अभी सिर्फ पुनर्विचार है

भारत सरकार ने पहले सुप्रीम कोर्ट में राज द्रोह कानून की संवैधानिकता पर फिर से विचार के लिए दी गई याचिका का विरोध किया। उसने कहा कि भारत सरकार बनाम केदारनाथ सिंह मामले में सुप्रीम कोर्ट इस कानून की वैधता की पुष्टि कर चुका है। सरकार ने फिर यह सवाल उठाया कि जब संविधान पीठ इस मामले में फैसला दे चुकी है कि तीन जजों की खंडपीठ इस मुद्दे पर कैसे सुनवाई कर सकती है? मगर इसके कुछ दिन के अंतर पर ही सरकार का हृदय परिवर्तन हुआ- या कम से कम उसने यह संकेत देने की कोशिश की है। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि वह खुद ही इस कानून की प्रासंगिकता पर पुनर्विचार करेगी। इस बारे में सुप्रीम कोर्ट में बहस के दौरान सोलिसीटर जनरल ने कहा कि जो काम पंडित नेहरू नहीं कर पाए, वह वर्तमान सरकार करने जा रही है। इस कथन पर लोगों का आवाक रह जाना लाजिमी है।

आखिर सरकार ने यह तो कहा नहीं है कि वह इस कानून को रद्द करने जा रही है। उसने सिर्फइस पर पुनर्विचार की बात कही है। समाज के कई हलकों में इसे सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार को टालने की एक चाल के रूप में देखा है। आखिर यह कानून जिस थोक भाव से नरेंद्र मोदी सरकार के कार्यकाल में लोगों पर लगाया गया, वैसा उसके पहले कभी नहीं हुआ था। एक रिपोर्ट के मुताबिक बीते आठ साल में 400 से अधिक से लोगों को इस कानून के तहत गिरफ्तार किया गया है। ऐसा करते हुए सुप्रीम कोर्ट की इस व्यवस्था का तनिक भी ख्याल नहीं रखा गया कि कोई विचार रखना या उससे संबंधित किताबें आदि रखना राज द्रोह नहीं है। कोर्ट ने कहा था कि यह कानून तभी लागू हो सकता है कि जब व्यक्ति हिंसा या विद्रोह भडक़ाने की वास्तविक गतिविधि में शामिल हो। और फिर बात सिर्फइस कानून की नहीं है। यूएपीए में जिस तरह की धाराएं शामिल की गईं और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून का जिस तरह इस्तेमाल हुआ है, उससे सरकार के इरादे पर शक करने का ठोस आधार बनता है। बहरहाल, अब सरकार का हृदय परिवर्तन हुआ है, यह तभी माना जाएगा, अगर वह जल्द से जल्द इस कानून को रद्द करने का फैसला करे। (आरएनएस)

सांकेतिक भाषा में रिलीज हुई द कश्मीर फाइल्स

कश्मीरी पंडितों के दर्द को बयां करने वाली फिल्म द कश्मीर फाइल्स तमाम विवादों के बाद भी बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई का रिकॉर्ड बना चुकी है। इस फिल्म को लोगों का बहुत प्यार मिला और फिल्म ने धमाकेदार प्रदर्शन किया। आप सभी को बता दें कि विवेक अग्निहोत्री द्वारा निर्देशित फिल्म को तमाम अभिनेताओं और राजनेताओं द्वारा भी पसंद किया गया है। वहीं इस फिल्म की जबरदस्त सफलता को देखते हुए कई राज्यों में इस फिल्म को टैक्स फ्री भी कर दिया गया था। अब आज यानी 13 मई को ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर हिंदी, तमिल, तेलुगू और कन्नड़ भाषा में रिलीज कर दी गई है। जी हाँ और इसी के साथ ही इस फिल्म का ओटीटी पर सांकेतिक भाषा में भी प्रीमियर किया गया।

आप सभी को बता दें कि जी5 ने सांकेतिक भाषा में आज द कश्मीर फाइल्स के लिए एक विशेष स्क्रीनिंग का आयोजन किया और इस दौरान इस फिल्म को करीब 500 बधिर लोगों ने देखा। आप सभी को बता दें कि विशेष स्क्रीनिंग के दौरान विवेक अग्निहोत्री भी अपनी पत्नी और अभिनेत्री पल्लवी जोशी के साथ मौजूद थे। वहीं इसके अलावा अभिनेता दर्शन कुमार भी स्क्रीनिंग के दौरान साथ थे। जी दरअसल कोरोना महामारी के बाद द कश्मीर फाइल्स 300 करोड़ का आंकड़ा पार करने वाली ये पहली फिल्म है।

स्क्रीनिंग के दौरान विवेक अग्निहोत्री ने कहा- हमें खुशी है कि द कश्मीर फाइल्स इतनी बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंची है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि, अब जी5 के साथ ये फिल्म न सिर्फहिंदी बल्कि तमिल तेलुगू और कन्नड़ भाषा में भी देखने को मिलेगी। इस फिल्म को सांकेतिक भाषा में भी रिलीज किया जा रहा है। इसी के साथ उन्होंने ओटीटी प्लेटफॉर्म को ऐसा करने के लिए धन्यवाद भी कहा। वहीं अभिनेता दर्शन कुमार ने भी फिल्म की खूब तारीफकी और इस फिल्म को इतना प्यार देने के लिए दर्शकों का धन्यवाद कहा।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

अस्थमा के जोखिम कम करने में मदद कर सकते हैं ये एसेंशियल ऑयल्स

अस्थमा की बीमारी शरीर के वायुमार्ग की अंदरूनी दीवारों में सूजन आने और सिकुडऩे के कारण होती है, जिसके परिणामस्वरूप व्यक्ति को सांस लेने में तकलीफहोती है। इस बीमारी से बचने और इसके जोखिमों को कम करने में कुछ एसेंशियल ऑयल्स काफी मदद कर सकते हैं। आइए आपको कुछ ऐसे एसेंशियल ऑयल्स के बारे में बताते हैं, जिनका इस्तेमाल करना अस्थमा के रोगियों के लिए लाभदायक हो सकता है।

लैवेंडर एसेंशियल ऑयल

लैवेंडर ऑयल में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण अस्थमा से प्रभावित वायुमार्ग को आराम देकर बीमारी के जोखिमों को कम करने में सहायक हैं। लाभ के लिए लैवेंडर ऑयल की कुछ बूंदें डिफ्यूजर में डालें और इसे चालू करके अपने बिस्तर के पास रखें। इससे आपको बहुत जल्द ही राहत मिलेगी। हालांकि, अगर आपको पास डिफ्यूजर नहीं है तो आप रूई के टुकड़े पर दो-तीन बूंद लैवेंडर ऑयल डालें, फिर इसे सूंघें।

रोजमेरी एसेंशियल ऑयल

एक अध्ययन से पता चला है कि रोजमेरी एसेंशियल ऑयल का इस्तेमाल उन लोगों में अस्थमा के लक्षणों को कम कर सकता है, जिन्होंने पारंपरिक उपचार से सुधार नहीं देखा। इस अध्ययन में अस्थमा रोगियों में खांसी और घरघराहट जैसे अस्थमा के लक्षणों में कमी देखी गई है। लाभ के लिए एक रूई के टुकड़े पर थोड़ा सा रोजमेरी एसेंशियल लगाकर उसे कुछ मिनट के लिए सूंघे। हालांकि, इसके लिए पहले अपने डॉक्टर की सलाह जरूर ले लें।

थाइम एसेंशियल ऑयल

थाइम एक हर्ब है, जिससे बने तेल का इस्तेमाल काफी समय से अस्थमा के उपचार के लिए किया जाता आ रहा है। इसका मुख्य कारण यह है कि थाइम एसेंशियल ऑयल में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो अस्थमा के जोखिम कम करने में सक्षम है। वहीं, इसमें मौजूद एंटी-बैक्टीरियल तत्व अस्थमा के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकते हैं। लाभ के लिए रोजाना थाइम एसेंशियल ऑयल को कुछ मिनट के लिए सूंघे।

रोमन कैमोमाइल एसेंशियल ऑयल

रोमन कैमोमाइल एसेंशियल ऑयल भी कई ऐसे गुणों से समृद्ध होता है, जो अस्थमा के लक्षणों को प्रभावी ढंग से कम करने में मदद कर सकता है। इसके लिए रोमन कैमोमाइल ऑयल की कुछ बूंदें डिफ्यूजर में डालें और इसे चालू करके अपने पास रखें। हालांकि, अगर आपके पास डिफ्यूजर नहीं है तो आप एक रूई के टुकड़े पर थोड़ा सा रोमन कैमोमाइल ऑयल लगाकर उसे कुछ मिनट के लिए सूंघे।(आरएनएस)

लंदन में कनिका कपूर ने रचाई रॉयल शादी!

बॉलीवुड की बेबी डॉल कही जाने वाली यानी सिंगर कनिका कपूर अब शादी के बंधन में बंध गई हैं। जी हाँ, कनिका ने बिजनेसमैन गौतम संग बेटी शुक्रवार को लंदन में सात फेरे लिए हैं। जी हाँ और शादी की सभी रस्मों को पूरा करने के बाद अब कई फोटोज सामने आ गई हैं। जी हाँ, अब कनिका और गौतम की शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई हैं जो आप देख सकते हैं। बीते कई दिनों से कनिका कपूर लंदन में हैं और यहां उनकी शादी से पहले मेहंदी और बाकी के प्री-वेडिंग फंक्शन हुए। वहीं उसके बाद सिंगर की फोटोज भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं। हालाँकि शादी के फोटोज कमाल के हैं। अपनी शादी में उन्होंने बेहद खूबसूरत पिंक ब्राइडल लहंगा पहना था। इसके साथ उन्होंने रेड स्टोन वाले हार और चोकर पहने थे। पिंक चूडियां और दुप्पट्टा भी उन्होंने पहना था। वहीं अगर हम गौतम के लुक की बात करें तो उन्होंने क्रीम कलर की शेरवानी पहनी थी। इसके साथ उन्होंने कनिका से मैच करता हार पहना था। साथ ही ब्राउन लेदर बूट्स और पगड़ी के साथ अपने लुक को पूरा किया था। आप सभी को बता दें कि इस शादी में कनिका और गौतम के परिवारवाले और करीबी दोस्त शामिल हुए थे। वहीं शादी के बाद कपल ने लोगों के साथ ढेरों पोज दिए और यह सभी लोग कनिका और गौतम को ब्लेसिंग्स देने आए थे। वैसे कनिका की शादी से कई वीडियो भी सामने आ रहे हैं।

आप देख सकते हैं इन वीडियो में दुल्हन बनीं कनिका कपूर अपने दूल्हे के पास जाते नजर आ रहीं है। जी दरअसल कनिका फूलों की चादर के नीचे से चलकर गौतम के पास जाती दिख रही हैं। इस वीडियो में मोहम्मद रफी का फेमस गाना तेरे मेरे सपने अब एक रंग हैं चल रहा है। आप सभी देख सकते हैं कनिका और गौतम की वरमाला, फेरे और सिन्दूर दान की तस्वीरें भी सामने आई हैं जो सभी बेहतरीन हैं।

शब्द सामर्थ्य -078

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

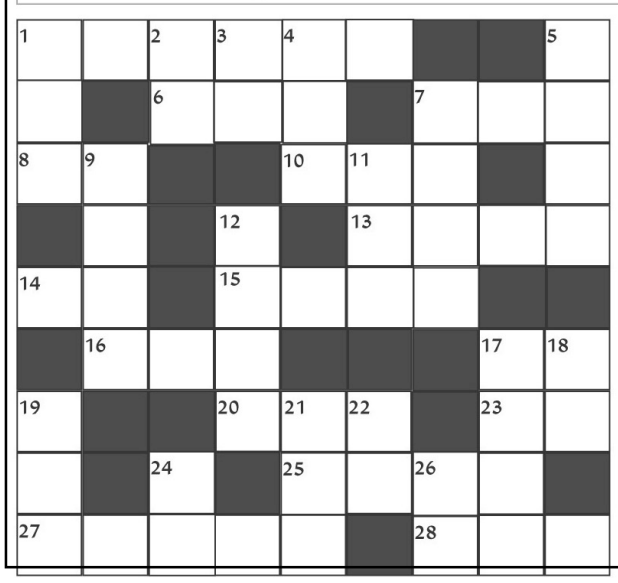

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 077 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

1.5 लाख रुपए की ड्रेस पहना हिना खान ने लूट ली महफ़िल

टीवी से लेकर बॉलीवुड तक में धमाल मचाने वाली एक्ट्रेस हिना खान इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। जी हाँ और आज के समय में मशहूर टीवी एक्ट्रेस हिना खान एक बार फिर कान्स फिल्म फेस्टिवल 2022 में रेड कार्पेट पर चलने के लिए तैयार हैं। जी हाँ, मिली जानकारी के तहत इस बार उनका लुक धमाकेदार होने वाला है। हालाँकि इससे पहले हिना खान 15 मई को यूके एशियन फिल्म फेस्टिवल में डिजाइनर तरुण तहिलियानी के स्टनिंग आउटफिट में शिरकत की थीं।

अब हाल ही में हिना खान ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें एक्ट्रेस बेहद खूबसूरत लग रही हैं। आप देख सकते हैं इस आउटफिट में वह कमाल दिख रहीं हैं और उनके इस आउटफिट की कीमत 1।5 लाख रुपए है। जी हाँ, बॉलीवुड डिजाइनर तरुण तहिलियानी के डिजाइन किए क्रीम कलर के शीर आउटफिट में बेहद हॉट और क्यूट लग रही हैं। आप देख सकते हैं हिना ने शीर कोर्सेट पहना हुआ है। वहीं मिनिमल मेकअप और मेसी बन में बंधे बालों के साथ उन्होंने अपने लुक को सिंपल लेकिन एलिगेंट रखा।

बॉडीकॉन स्लिट ड्रेस में जाह्नवी का किलर लुक देख घायल हो गए फैंस

धडक़ गर्ल उर्फबॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर का फैशन इतना कमाल है कि वह हर एक आउटफिट में और भी ज्यादा ग्लैमरस दिखती है। वह जब भी किसी पार्टी या इवेंट में स्पॉट होती हैं तो लोग उनके लुक्स पर से निगाह हटा ही नहीं पाते है । उनका फैशन ऐसा होता है जिससे यंग गर्ल्स भी टिप्स ले लेती है। जान्हवी के वॉर्डरोब कलेक्शन मेंग्लमैरस अटायर्स से लेकर सिंपल स्टाइल वाले सिल्हूट्स भी जुड़ा हुआ हैं।

ऐसा ही एक फोटोशूट रिसेन्टली जान्हवी ने करवाया है, जिसमें वह मरून कलर की बोल्ड ड्रेस पहनी हुई दिखाई दे रही है। लुक्स के बारें में बात की जाए तो जाह्नवी ग्लिटरी बॉडीकॉन ड्रेस में नजऱ आ रही है। उनकी इस ड्रेस में बिलो द बस्ट पोर्शन पर टाइट फिटिंग के साथ माइक्रो प्लीट्स भी दिखाई दे रही है, इसमें उनकी साइड कर्व्स और टोन्ड ऐब्डमन हाईलाइट होने लगी है। उन ड्रेस में बैक डिटेलिंग भी बहुत खास थी क्योंकि इसे बैकलेस रखा गया था जिसे फ्लॉन्ट करने में जान्हवी ने कोई कसर नहीं छोड़ी। वहीं फ्रंट पर ड्रेस का थाई-हाई स्लिट उनके टोन्ड लेग्स को फ्लॉन्ट कर रहा है। इस फोटोशूट में उन्होंने अपने मेकअप पर खास ध्यान दिया।

उन्होंने ड्रेस से मैचिंग का आईशैडो, ब्लश विंग्ड आईलाइनर और पिंक कलर का लिप शेड भी लगा रखा है। जिसके साथ ही उन्होंने बालों को खुला छोड़ दिया है। उनका ये फोटोशूट बहुत किलर है जो फैंस को बहुत पसंद आ रहा है। वर्कफ्रंट के बारें में बात की जाए तो जाह्नवी के पास कई फिल्म हैं जिनमें गुड लक जैरी,मिली, मिस्टर एंड मिसेज माही और बावल शामिल है।

कन्नड़ अभिनेत्री संयुक्ता हेगड़े का बिकिनी पोज वायरल

कन्नड़ अभिनेत्री संयुक्ता हेगड़े का दुबई में बिकिनी पोज सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। पारंपरिक कन्नड़ दर्शक जो इस तरह की ग्लैमरस प्रस्तुति देखने के आदी नहीं हैं, संयुक्ता के क्लिकों के दीवाने हो गए हैं। संयुक्ता ने अपनी हॉट तस्वीर को कैप्शन दिया रू पक्का नहीं कि मैं गर्मी को मात दे रही थी या तापमान बढ़ा रहा थी ! संयुक्ता ने रक्षित शेट्टी के साथ सुपरहिट फिल्म किरिक पार्टी से अपनी शुरुआत की। उन्होंने फिल्म के लिए कन्नड़ में सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का फिल्मफेयर पुरस्कार जीता था। उन्होंने जयराम रवि और काजल अग्रवाल के साथ तमिल भाषा में कोमाली से डेब्यू किया था। संयुक्ता हेगड़े ने रियलिटी शो एमटीवी रोडीज, एमटीवी स्प्लिट्सविला और बिग बॉस कन्नड़ में भी हिस्सा लिया था। वह एमटीवी स्प्लिट्सविला में उपविजेता रही थीं।

महेश बाबू की फिल्म सरकारु वारी पाटा में जोड़ा जाएगा नया गाना

तमिल फिल्मों के एक्टर महेश बाबू की फिल्म सरकारू वारी पाटा में मुरारी बावा नाम से एक नया गाना अब जोड़ा जाएगा। ये गाना पहले फिल्म में नहीं दिखाया गया था, लेकिन अब जोड़ा जा रहा है। इस गानें में महेश बाबू और कीर्ति सुरेश अभिनय करते दिखेंगे।

निर्माताओं ने आखिरकार इस गाने को जोडऩे का फैसला किया है, जो प्रतिक्रिया और संग्रह के आधार पर इस सप्ताह के अंत में अपना कमला दिखाना शुरु कर देगा। महेश बाबू के फैंस को गाने के ऑडियो वर्जन से काफी उम्मीदें हैं, जो अभी रिलीज नहीं हुआ है। गाने की सेंसरशिप पहले ही पूरी हो चुकी है और इसे इस वीकेंड पर प्रदर्शित किया जाएगा। परशुराम पेटला के निर्देशन की सफलता के साथ, सरकारू वारी पाटा की टीम बुलंदियों पर है। फिल्म अब तक दुनियाभर में 150 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर चुकी है।

सिनेमा के मामले में अनुभव और मेरा डीएनए एक ही है: आयुष्मान

बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना को लगता है कि सिनेमा के मामले में उनका और उनके गुरु और निर्देशक अनुभव सिन्हा का डीएनए एक जैसा ही है। अनुभव और आयुष्मान ने अनेक के लिए फिर से सहयोग किया है जिसमें अभिनेता ने उत्तर पूर्व में तैनात एक अंडरकवर पुलिस वाले की भूमिका निभाई है।

आयुष्मान कहते हैं कि अनुभव सर और मेरा एक कार्मिक कनेक्शन है। इसमें कोई शक नहीं है क्योंकि कभी-कभी मुझे लगता है कि सिनेमा की बात आती है तो हमारे पास एक ही जैसा डीएनए है।

वह एक फिल्म निर्माता है जो यथास्थिति को चुनौती देना चाहते है, वह बेहद जोखिम लेने वाले है। मैं उनके मूल मूल्यों से संबंधित हूं और इसलिए हम एक ऐसे रिश्ते को साझा करते हैं जो मुझे पता है कि जिंदगीभर रहेगा।

उन्होंने कहा कि वह बेहद खुश हैं कि उन्हें रचनात्मक रूप से सहयोग करने और दर्शकों के लिए आर्टिकल 15 जैसी फिल्म करने का मौका मिला है।

हम लोगों को अनेक दिखाने के लिए फिर से एक साथ काम कर रहे हैं। यह एक ऐसी फिल्म जिस पर मुझे बहुत गर्व है। यह एक ऐसी फिल्म है जो हमें भारतीयों के रूप में गौरवान्वित करेगी। यह लोगों को हमारे बारे में सोचने पर मजबूर करेगी।

आयुष्मान ने आगे कहा कि मैं हमेशा अव्यवस्थित फिल्मों की ओर आकर्षित हुआ हूं और अनेक उन असली रत्नों में से एक हैं। अनुभव सर ने इसे फिर से पार्क से बाहर कर दिया है और मैं दर्शकों द्वारा इस विचारोत्तेजक फिल्म को देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।

आयुष्मान के पास 2022 में फिल्मों की एक शानदार लाइन है।

वह जल्द ही अनुभव सिन्हा की अनेक में दिखाई देंगे, जो 27 मई को रिलीज होगी। जिसके बाद वह अनुभूति कश्यप की डॉक्टर जी और डेब्यू डायरेक्टर अनिरुद्ध अय्यर की एक्शन हीरो में नजर आएंगे।

बॉबी देओल के साथ ईशा गुप्ता बोल्डनेस से मचाएंगी तहलका

आश्रम वेब सिरीज़ देश की चर्चित सिरीज़ में से एक है। इस सिरीज़ के दो सीजऩ आ चुके हैं और दोनों ही सीजऩ ने खूब सुर्खियां बटोरी हैं। दोनों सीजऩ के हिट होने के बाद अब इस सिरीज़ का तीसरा पार्ट भी आने वाला है। आश्रम 3 का ट्रेलर भी रिलीज़ हो चुका है। अब दर्शक भी इसके तीसरे पार्ट के ट्रेलर को खूब पसंद कर रहे हैं। इस बार भी ट्रेलर से इस सिरीज़ के शानदार होने का अंदाज़ा लगाया जा सकता है।

बता दें कि इस बार भी सिरीज़ में पहले वाले ही किरदार हैं लेकिन इस बार इसमें ईशा गुप्ता भी नजऱ आने वाली हैं। ट्रेलर में ईशान भी नजऱ आ रही हैं जिसे देखकर कहा जा रहा है कि इस बार ईशा भी अपनी बोल्डनेस का तडक़ा सिरीज़ में लगाने वाली हैं। अब आश्रम 3 वापस से सुर्खियों में आ गई है जिसके रिलीज़ होने का दर्शक भी इंतज़ार कर रहे हैं।

बॉबी देओल की वेब सिरीज़ आश्रम खूब सुर्ख़ियो में रही। हालांकि इसके दो सीजऩ भी विवादों में आए लेकिन इसके बावजूद इस सिरीज़ को दर्शकों ने खूब पसंद किया और सीरिज़ ने भी कमाल कर दिखाया। वहीं अब फिल्म का तीसरा पार्ट भी आ रहा है। फिल्म के तीसरे पार्ट का ट्रेलर भी सामने आ चुका है जिसे हर कोई पसंद कर रहा है।

ट्रेलर में और किरदारों के साथ साथ ईशा गुप्ता भी नजऱ आ रही हैं। ईशा को सिरीज़ में बॉबी के साथ रोमांस करते हुए देखा जा सकता है। माना जा रहा है कि इस बार सिरीज़ काफी इंट्रस्टिंग होने वाली है। सिरीज़ में ईशा का रोल अपनी पता नहीं लग पाया है लेकिन बताया जा रहा है कि वे काफी अहम रोल में नजऱ आने वाली हैं।

ईशा ने भी बातचीत के दौरान बताया है कि वे खुद इस सिरीज़ की फैन रह चुकी हैं। उनके मुताबिक जब उन्हें इस सीरिज़ में काम करने का मौका मिला तो उन्होंने भी तुरंत हाँ कर दी। वहीं हज 3 दिन में इस सिरीज़ के ट्रेलर को भी 42 लाख से ज्यादा व्यूज़ मिल चुके हैं। दर्शक भी सिरीज़ के रिलीज़ होने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं।

महिला केंद्रित फिल्म धक धक बनाएंगी तापसी

मशहूर अभिनेत्री तापसी पन्नू एक्टिंग में अपना लोहा मनवा चुकी हैं। उन्होंने पिछले साल ही अपने प्रोडक्शन हाउस आउटसाइडर्स फिल्म्स का ऐलान किया था। अब उन्होंने अपनी इस प्रोडक्शन कंपनी के तहत एक नई फिल्म की घोषणा की है। बीएलएम पिक्चर्स के सहयोग से वायकॉम18 स्टूडियोज और आउटसाइडर्स फिल्म्स ने नई फिल्म धक धक का ऐलान किया है। इसमें अभिनेत्री फातिमा सना शेख, दीया मिर्जा, संजना संघी और रत्ना पाठक शाह नजर आएंगी।

तापसी ने इंस्टाग्राम पर फिल्म धक धक का ऐलान किया है। वह फिल्म को को-प्रोड्यूस करेंगी। तापसी ने अपने पोस्ट में लिखा, फिल्म धक धक के साथ जीवन भर की राइड में शामिल हों, क्योंकि यह चार महिलाओं की कहानी है, जो स्वयं की खोज के लिए रोमांचक यात्रा पर दुनिया के सबसे ऊंचे रोड की सवारी करती हैं। तापसी ने एक पोस्टर भी शेयर किया है, जिसमें फिल्म के कलाकार बाइक पर पोज देते हुए दिखे हैं।

यह फिल्म चार महिलाओं के इर्दगिर्द घूमती है, जिसमें उनके बाइक राइड की साहसिक कहानी को दिखाया जाएगा। तापसी प्रांजल खंडडिया और आयुष माहेश्वरी के साथ मिलकर इस फिल्म का निर्माण करेंगी। पारिजात जोशी और तरुण दुडेजा ने फिल्म का लेखन किया है। फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी भी तरुण ही संभाल रहे हैं। इस फिल्म का निर्माण चल रहा है और यह 2023 में रूपहले पर्दे पर रिलीज होने वाली है।

फिल्म को लेकर तापसी काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, आउटसाइडर्स फिल्म्स में हमारा लक्ष्य ऐसी फिल्मों का निर्माण करना है, जो अर्थपूर्ण और मनोरंजक हों। हमने दर्शकों को एक ऐसा व्यूजवल एक्सपीरियंस देने का प्रयास किया है, जो उन्होंने शायद ही कभी स्क्रीन पर देखा होगा। धक धक चार महिलाओं की कहानी है, जो महसूस कराती है कि स्वतंत्रता का स्वामित्व होना चाहिए। मुझे यकीन है कि यह राइड एक समृद्ध यात्रा होगी।

तापसी के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह आगामी फिल्म शाबाश मिठू में नजर आने वाली हैं। राहुल ढोलकिया की इस फिल्म में वह भारतीय महिला क्रिकेटर मिताली राज के किरदार को पर्दे पर निभाएंगी। तमिल फिल्म जन गण मन में भी तापसी अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी। वह निर्देशक अनुराग कश्यप की फिल्म दोबारा का भी हिस्सा हैं। वह शाहरुख अभिनीत फिल्म डंकी में भी दिखाई देंगी। इसका निर्देशन राजकुमार हिरानी करेंगे।

तापसी फिल्म ब्लर से बतौर निर्माता भी जुड़ी हुई हैं। यह उनके होम प्रोडक्शन की पहली फिल्म है। उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग भी पूरी कर ली है। इसमें वह अभिनय करती हुई भी नजर आएंगी। इसका निर्देशन अजय बहल ने किया है।

मनुष्य का किंगडम एनिमेलिया!

हरिशंकर व्यास

पृथ्वी के ह्यूमन बाड़े मतलब पशुवाद और पशुताएं। बाड़ों में वैयक्तिक तौर पर बिना व्यक्तित्व के व्यक्ति वक्त काटता है। अधिकतम लोग बिना मानव चेतना, बिना मानवाधिकारों, बिना समानता, बिना ज्ञान की होमिनिड प्रजातियां हैं। वे चिम्पांजी, लंगूर, भेड़-बकरी, सुअर, भेडियों आदि की उन पशु प्रवृत्तियों को लिए हुए हैं, जिनके स्वभाव मनुष्य आचरण से जाहिर हैं। अधिकांश लोग पराश्रित, पालतू व पिंजरों की जिंदगी गुजारते हैं। लोगों का जीवन भूख, भय, असुरक्षा, चिंताओं में सरकता, घसीटता, कैटल क्लास है। दिमाग गधेपन, अंधविश्वासों, झूठ, भक्ति, धर्म, राजनीति की परतंत्रताओं का बंधक होता है।

प्रलय का मुहाना- 15: खबरें हर रोज दिल दहलाते सवाल बनाती हैं कि मनुष्य कैसा जानवर है! यूक्रेन, सीरिया या महायुद्ध की बरबादियों के फोटो, यातनाओं के गुलग्स, कंसन्ट्रेशन कैंप, ऑस्चविट्ज, होलोकास्ट, 9/11 जैसे अनुभव व तारीखें क्या भुला सकते हैं? तभी मनुष्य के लिए जंगली, पाशविक, वहशी जैसे शब्द आम हैं। कहते हैं मानव सभ्यता बनने के तीन हजार सालों में 15 हजार से अधिक युद्ध हुए हैं। पिछले महायुद्ध में पांच करोड़ लोग मरे। उसके बाद परमाणु हथियार बने। वे भी इस तादाद में की पृथ्वी की आठ अरब आबादी तो क्या 87 लाख किस्म के सभी जीव-जंतु किसी भी दिन कुछ बटनों के दबते ही श्मशान की राख होंगे। सोचें, वनमानुषों, प्राइमेट्स के वंशज मनुष्यों की खोपड़ी में यह आइडिया है कि जरूरत हुई तो परमाणु हथियारों का उपयोग होगा!

उफ! ऐसा दिमाग। तब मानव ज्ञानी या जंगली? वनमानुष, चिम्पांजी, ओरांगउटान, प्राइमेट्स, होमो इरेक्टस, होमो निएंडरथल, होमो सेपियन, होमो डायस की नामावली में मनुष्य प्रकृति की कितनी ही भिन्नताएं बूझें, कॉमन मानव प्रवृत्ति में मनुष्य ही मनुष्य पर सबसे अधिक हिंसा करने वाला पशु है। मनुष्य वह जानवर है जो अपनों पर भी जंगली प्रयोग करता है। वह आदमखोर और नरभक्षी है। तब इस वैज्ञानिक सत्य को क्यों न गांठ बांधें की शारीरिक तौर पर मनुष्य सचमुच पशु प्रजाति है। जंगली है, पाशविक है। मनुष्य और चिम्पांजी के गुणसूत्र याकि जीन 98.8 प्रतिशत यदि एक जैसे हैं तो स्वाभाविक है मनुष्य के हाथों किंगडम एनिमेलिया बने। पशुवाद की पशुताओं, पाशविकताओं का नरक बने।

खोपड़ी और पशुता

सवाल है मनुष्य खोपड़ी में वनमानुष से एक-सवा प्रतिशत डीएनए की जो भिन्नता है वह जंगलीपने को उभारते हुए है या वे मानव संस्कार हैं, जिससे पशुता दबती, ढकती है? उनके कारण मनुष्यों में वह बायोडायवर्सिटी है, जिससे जंगली और सभ्य इंसान, गंवार और ज्ञानी इंसान की भिन्नताएं जन्मजात हैं? एक पहलू चिम्पांजी बनाम मनुष्य के डीएनए की समानताओं से दोनों के समान पशुगत व्यवहार का है। दूसरा पहलू असमान एक-सवा प्रतिशत डीएनए से मनुष्य की स्प्लिट पर्ननाल्टी के गैर-पशु वाला मानव स्वभाव है। तीसरा पहलू लाखों सालों के जीवन के परिवेश, अनुभवों से मनुष्य डीएनए में परिवर्तनों का है।

स्तनपायी मैमेल की वंशानुगतता में वनमानुषों, प्राइमेट्स से मनुष्य सफर का आरंभ है। जेनेटिक आधार पर खोपड़ी के आकार, फिर च्सोशल ब्रेन हाइपोथीसिस व च्डाइट हाइपोथीसिस की थ्योरी में दिल-दिमाग के अलग-अलग विकास की वैज्ञानिक मान्यता है। मगर इस विवाद के साथ कि दिमाग के भीतर बुद्धि पहले से भरी हुई है या नहीं? मानव सभ्यता का बर्बर इतिहास बताता है कि खोपड़ी में पशुता वनमानुषों के डीएनए से चली आ रही है। मतलब पशु बुद्धि पहले से भरी हुई है। खोपड़ी कैसी भी हो, छोटी या बड़ी, उसके एक अहम छोटे नियोकॉर्टेक्स हिस्से से बुद्धि के कम-अधिक होने, बुद्धिमत्ता के अलग-अलग लेवल और इवोल्यूशन मनुष्य के व्यवहार में निर्णायक हैं। कॉग्निटिव डेवलपमेंट की इन पेचीदगियों व मानव इतिहास के अनुभव से मान लेना चाहिए कि न तो मनुष्य ज्ञानी मानव (होमो सेपियन) है और न वह जल्दी देव मानव (होमो डायस) बनने वाला है। पशुजन्य वंशानुगतता से मनुष्य खोपड़ी प्राइमेट्स की अवस्थाओं के अलग-अलग संस्करणों का किंगडम एनीमेलिया बनाए हुए है। जिंदगी पशुवाद से है। उसमें विविधिता है, बायोडायवर्सिटी है। लेकिन आम मनुष्य प्रकृति में किसी भी तरह से मानवजन्य मानवता के स्वभाव की सर्वोच्चता नहीं है। यह निश्चित है कि मनुष्य का भविष्य उसके अतीत से है। कह सकते हैं कि मनुष्य की पाशविकताओं जंगल के उसके इतिहास से है। इसलिए पृथ्वी संकट में है और भविष्य का नरक है!

सोचने वाली बात है कि पिछले छह हजार सालों के इतिहास और अनुभव में मनुष्य की खुशियों और सुख-शांति-संतोष की अवधियां कौन-कौन सी थीं?

आदमखोर और नरभक्षी

मनुष्य को मष्तिष्क चेतना, पंख, बुद्धि का वरदान है। गड़बड़ यह है कि वह सबको समान रूप से प्राप्त नहीं है। दूसरे इससे ज्ञान-विज्ञान के उपयोगकर्ताओं ने मानव की परतंत्रता बनवाई। यांत्रिकता बनवाई। तभी विकास उन प्रवृत्तियों को लिए हुए है, जिनके कारण अधिकतम लोग यांत्रिक जड़ताओं में जीते हैं और मनुष्य की सामूहिकता पशुता बन जाती है। सचमुच पृथ्वी के आठ अरब लोगों की आबादी में अधिकतम मनुष्यों के बस में कुछ भी नहीं है। उनकी दिनचर्या, उनके कर्म और विचार सब यंत्र चालित हैं। बकौल आचार्य रजनीश जैसे कोई बटन को दबा दे और बिजली जल जाए, कोई मोटर को चला दे और मोटर चल जाए। मनुष्य एक यंत्र की भांति जीता है। साधारणतरू वह सोचता है कि मैं जो कर रहा हूं मैं कर रहा हूं। बड़ी अचेतन, बड़ी अनकांशस शक्तियां हमारे भीतर काम करती हैं और वे हमें ढकेलती हैं एक दिशा में, धक्के देती हैं, और हम उसके साथ में चले जाते हैं।

विषयांतर हो रहा है। मोटा मोटी मनुष्य सफर छह हजार वर्षों से पटरियों पर यांत्रिकता में दौड़ता चला जा रहा है। न उसका गति पर कंट्रोल है और न मंजिल की सुध है।

तब कैसे आठ अरब लोगों के लिए च्ज्ञानी मानव उर्फहोमो सेपियन की संज्ञा उचित है? पृथ्वी के आठ अरब लोग ज्ञान में जीते हुए क्या और कहां हैं? क्या लोग, पशु जीवन से अलग, बेहतर, श्रेष्ठ जिंदगी जीते हुए हैं? मनुष्य और मनुष्य में तुलना नहीं, बल्कि पशु बनाम मनुष्य की तुलना के अनुभवों पर जरा गौर करें। मनुष्य बनाम मनुष्य में भेद, उनकी असमानताओं का तो मामला ही विकट! मानव सभ्यता की शर्मनाक असलियत है जो वह पूर्वज चिम्पांजियों से अधिक परस्पर असमानताओं में जिंदगी जीते हुए है। कितने तरह के जानवर स्वभाव में बंटे हुए हैं मनुष्य! बहुसंख्यक लोग भेड़-बकरियों की कैटल क्लास। फिर मोटे सुअरों की बिजनेस क्लास तो तीसरी पायलट-गड़ेरियों की वह क्लास जो जंगल की प्रजा को चाहे जिस दिशा में ले जाए! हिटलर, पुतिन कहें चलो, उठाओ हथियार तो मनुष्यों द्वारा मनुष्यों का संहार!

वनमानुष, होमिनिड के कुल देवताओं ने सिर्फ छह हजार सालों में पृथ्वी पर यांत्रिक, ऑटोमेटिक व्यवस्था बनाई है। इसमें मनुष्य डीएनए के सीपीयू में अपने अतीत, वंशानुगत कहानियों, परिवेश के अनुसार व्यवहार और आचरण करता है। भ्रम है कि पृथ्वी के सभी लोग एक सी मानसिक अवस्था के हैं। एक से परिवेश में जीते हैं। एक सी प्रवृत्तियों, एक सी मेधा, एक सी जेनेटिक संरचना लिए हुए हैं। सभी च्ज्ञानी मानव याकि च्होमो सेपियन हैं। यह धारणा गलत है। मनुष्यों की जैविक रचना की असलियत बायोडायवर्सिटी है। इसलिए वनमानुष, मानुष, होमो, होमिनिड नाम के कुल देवताओं के अलग-अलग वंशजों की प्रजातियों का पृथ्वी पर वह ह्यमून बाड़ा बना है, जिसके भीतर की भिन्नताओं से किंगडम एनिमेलिया की कई चारदिवारियां हैं। पशुवाद के अलग-अलग रूप हैं।

यह सब प्रत्यक्ष है। छह हजार सालों के लिखित इतिहास की मानव त्रासदियां हैं।

सू- दोकू क्र. 078

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.077 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

पार्टी छोडने वाले नेताओं की भड़ास

कांग्रेस हो या भाजपा या कोई और क्षेत्रीय पार्टी हो उसके नेता, जब पार्टी छोड़ते हैं तो उनकी भड़ास बहुत दिलचस्प होती है। जैसे अभी कांग्रेस के दो नेताओं- सुनील जाखड़ और हार्दिक पटेल ने पार्टी छोड़ते हुए भड़ास निकाली है। हार्दिक पटेल से पहले असम कांग्रेस के दिग्गज नेता हिमंता बिस्वा सरमा ने पार्टी छोड़ते हुए जो बातें कही थीं लगभग वहीं सारी बातें हार्दिक पटेल ने भी कहीं। सरमा ने कहा था कि वे राहुल गांधी से मिलने गए थे तो तीन मिनट के समय में राहुल अपने कुत्ते को बिस्किट खिलाते रहे। हार्दिक ने राहुल का नाम नहीं लिया लेकिन कहा कि जब वे गुजरात के मामले में बात करने पार्टी के शीर्ष नेता से मिलने गए तो वे बातचीत के दौरान मोबाइल में बिजी रहे।

दिलचस्प बात यह है कि जब वे मिलने गए और राहुल ने उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया उसके बावजूद वे कांग्रेस में बने रहे थे और अपने को कांग्रेस व राहुल का भरोसेमंद सिपहसालार बताते रहे थे। जिग्नेश मेवानी और कन्हैया कुमार के साथ मिल कर उनको भी क्रांति करनी थी। लेकिन जैसे ही पांच राज्यों के चुनाव में कांग्रेस हारी और भाजपा के साथ तार जोडने की उनकी कोशिश कामयाब हुई वैसे ही उनको याद आ गया कि एक बार वे मिलने गए थे तो राहुल गांधी ने उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया था। तभी उनको यह भी याद आया कि बड़े राजनीतिक घटनाक्रम के समय राहुल गांधी विदेश में रहते हैं।

सोचें, हार्दिक पटेल ने जीएसटी में बाधा डालने के लिए कांग्रेस का विरोध किया, जबकि जीएसटी लागू हो जाने के बाद वे कांग्रेस में शामिल हुए थे। तब उनको इस बात से आपत्ति नहीं थी कि कांग्रेस ने जीएसटी का विरोध किया है। इसी तरह उन्होंने नागरिकता संशोधन कानून पास कराने और अनुच्छेद 370 हटाने के मामले में भी कांग्रेस की भूमिका की आलोचना की, जबकि वे उसी समय कांग्रेस में शामिल हुए थे, जब कांग्रेस उनका विरोध कर रही थी। तब से तीन साल तक उनको इन दोनों मसलों पर कांग्रेस के स्टैंड से कोई दिक्कत नहीं थी। ऐसे ही सुनील जाखड़ ने भी कांग्रेस के खिलाफ जम कर भड़ास निकाली। वे अपने पूरे करियर में गांधी परिवार की जय जयकार करते रहे हैं लेकिन जब पार्टी छोडना था तो प्रियंका गांधी वाड्रा की विफलता गिनाई और कहा कि उत्तर प्रदेश में तीन सौ उम्मीदवारों को दो-दो हजार वोट आए हैं। उन्होंने कहा कि इतने वोट तो पंचायत के चुनाव में लोगों को मिल जाते हैं। ऐसा नहीं है कि सिर्फकांग्रेस के नेता ऐसे भड़ास निकालते हैं। कल्याण सिंह ने भाजपा छोड़ते समय अटल बिहारी वाजपेयी के बारे में जैसी जैसी बातें कही थीं वैसी बात उनका सबसे कट्टर आलोचक भी नहीं कहेगा। इसी तरह उमा भारती भी पूरे शीर्ष नेतृत्व को अपमानित करके पार्टी से बाहर हुई थीं। लेकिन बाद में दोनों पार्टी में वापस आ गए और पुरानी बातों को भुला दिया गया। (आरएनएस)

दिल बीट्स पर सुकृति, प्रकृति कक्कड़ आएंगी नजर

गायिका-गीतकार बहने सुकृति और प्रकृति कक्कड़ शो दिल बीट्स के चौथे सीजन को होस्ट करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस सीजन में देश भर के आठ जोड़े अपनी प्रेम कहानियां और रिश्ते में आने वाली समस्याओं को साझा करेंगे।

जबकि कक्कड़ सिस्टर्स डेटिंग, शादी, ब्रेकअप, सेल्फ-वर्थ और बीच की हर चीज के संबंध में सलाह और टिप्स साझा करेंगी।

दोनों शो में लंबी जुदाई और रतन जैसे लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति भी देंगे।

दिल बीट्स के लिए एमटीवी बीट्स के साथ अपने जुड़ाव के बारे में बात करते हुए, प्रकृति ने साझा किया- जब मैंने पहली बार दिल बीट्स सीजन 4 में अनफिल्टर्ड लव की थीम के बारे में सीखा, तो मैं तुरंत इस विचार से प्रभावित हुई। मेरा मानना है कि इस तरह की हार्दिक प्रेम कहानियां सभी चुनौतियों पर विजय पाने वाले अटूट प्रेम की याद दिलाती हैं। हमने इस शो के साथ अपनी मेजबानी की शुरूआत की, और वह भी एमटीवी बीट्स पर। इसलिए हम सभी अधिक उत्साहित हैं।

सुकृति ने कहा- संगीत और प्रेम का संयोजन अद्वितीय है। प्यार का मतलब अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग चीजें हैं। और संगीत एक अद्भुत भाषा है जो उस पहले प्यार का संचार कर सकती है, दर्द को कम करने में मदद कर सकती है और रिश्तों को भी गहरा कर सकती है।

नासवी के आह्वान पर लघु व्यापारियों ने किया एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी आंदोलन

नगर संवाददाता

हरिद्वार। रेडी पटरी के लघु व्यापारियों ने आज अपने घोषित कार्यक्रम के अनुसार नासवी के आव्हान पर लघु व्यापारियों को उनके कारोबारी स्थानों से हटाए जाने के विरोध में एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी आंदोलन के समर्थन में नारेबाजी करते हुए नगर निगम आयुक्त कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारी लघु व्यापारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम संबोधित ज्ञापन ई-मेल द्वारा ऑनलाइन प्रस्तुत किया गया तथा ज्ञापन की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी, मुख्य सचिव, उत्तराखंड शासन जिलाधिकारी, हरिद्वार मुख्य नगर आयुक्त को संयुक्त रूप से प्रेषित की गयी।

इस अवसर पर लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा भारत सरकार द्वारा अप्रैल 2014 में भारतवर्ष के सभी रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए राष्ट्रीय पथ विक्रेता संरक्षण अधिनियम को मजबूती के साथ राज्य सरकारें अपनी- अपनी नियमावली बनाकर नगर निकायों के माध्यम से शहरी गरीबी स्वरोजगार के अवसर रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को दिए जाने के लिए निर्देशित किया जा चुका है लेकिन क्षेत्रीय निकायों की लापरवाही की वजह से रेडी पटरी का स्ट्रीट वेंडर्स केंद्र व राज्य सरकार की ओर से शहरी विकास मंत्रालय द्वारा समय-समय पर रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को उनके उचित कारोबारी स्थानों पर राज्य फेरी नीति नियमावली का क्रियान्वयन किए जाने को लेकर लक्ष्य निर्धारित किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा आज 15 हजार रेडी पटरी के लघु व्यापारी संगठन भारतवर्ष में चलाए जा रहे अतिक्रमण के नाम पर रेडी पटरी के लघु व्यापारियों के शोषण व उत्पीड़न के खिलाफ आंदोलित हैं, आने वाले दिनों में यदि रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को इंसाफ नहीं मिला तो राजधानी दिल्ली में महा प्रदर्शन किए जाएंगे।

नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया (नासवी) के आव्हान पर राष्ट्रव्यापी आंदोलन का समर्थन करते लघु व्यापारियों में राजेंद्र पाल, मनोज कुमार मंडल, सचिन राजपूत, भूपेंद्र राजपूत, तस्लीम अहमद, जय भगवान, धर्मपाल कश्यप सहित कई लोग शामिल रहे।

जमीन पर कब्जा कर मारपीट करने पर तीन नामजद

संवाददाता

देहरादून। जमीन पर कब्जा कर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सहस्त्रधारा रोड अधोईवाला निवासी राजीव कुमार ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी उसकी अधोईवाला में मुश्तैनी जमीन है। वह नौ मई को दिल्ली से अपने मूल निवास स्थान पर पर आये उसके बाद वह दस मई को जब अपनी उपरोक्त भूमि पर मुआयने हेतु पहुचा तब संजीब पुत्र धर्मपाल सिह निवासी नालापानी रोड अधोईवाला और प्रवेश मित्तल निवासी लूनिया मौहल्ला तथा देवेन्द्र सिह चौधरी उर्फ विशाल चौधरी पुत्र रामअवतार सिह निवासी हाउस नालापानी रोड देहरादून व कुछ अन्य भूमाफिया प्रवृत्ति के 10-12 व्यक्तियो के साथ उसकी उपरोक्त भूमि पर जबरन कब्जा कर बाउण्ड्रीवाल करने का प्रयास कर रहे थे जब उसके द्वारा उनसे पूछा गया कि वह किस अधिकार से उसकी भूमि पर कब्जा कर रहे है तो देवेन्द्र सिह चौधरी व अन्य लोग उसको लात-घुसो से मारने लगे व मां-बहिन की गन्दी-गन्दी गालिया देने लगे तथा उसकी पत्नी के साथ भी मारपीट कर गाली गलौच की गयी और कहा कि दोबारा उक्त जमीन पर आये तो जान से मार देंगे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

व्यापारी के बेटे के आत्महत्या के आरोपी दो भाई गिरफ्तार, तीसरा फरार

संवाददाता

देहरादून। व्यापारी के बेटे द्वारा तीन भाईयों से परेशान होकर ट्रेन से कटकर आत्महत्या करने के मामले में आरोपी दो भाईयों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया जबकि उनका तीसरा भाई फरार हो गया जिसकी तलाश जारी है।

गौरतलब है कि गत दिवस पीपल मण्डी निवासी विनोद गुप्ता के पुत्र शिवम ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली थी। मरने से पहले शिवम ने एक विडियों बनायी जिसमें उसने कहा कि उनके बगल के दुकानदार अतुल बंसल उर्फ मणि, अजय बंसल उर्फ कालू व ललित बंसल उर्फ बंटी के द्वारा उसके पिता को परेशान किया जा रहा है तथा तीनों भाई उनकी दुकान को हडपना चाहते हैं। इस विडियों के वायरल होने के बाद व्यापारियों में आक्रोश भर गया और उन्होंने बाजार बन्द कर मणि बंसल की दुकान में पहुंचकर उसके दोनों भाई कालू व बंटी की जमकर पिटाई कर दी और कोतवाली का घेराव कर दिया। पुलिस ने विनोद गुप्ता की तहरीर पर तीनों भाईयों के खिलाफ आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी। आज शहर कोतवाल विद्याभूषण नेगी ने सम्पर्क करने पर बताया कि पुलिस ने ललित बंसल व अजय बंसल को लक्खीबाग क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है तथा उनका तीसरा भाई अतुल बंसल उर्फ मणि फरार चल रहा है जिसकी तलाश की जा रही है।

जमीन के नाम पर लाखों की धोखाधडी में एक नामजद

संवाददाता

देहरादून। जमीन के नाम पर लाखों रूपये की धोखाधडी में पुलिस ने एक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कैनाल रोड निवासी उमेश चन्द्र कन्नौजिया ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने बाडीगार्ड निवासी ललित कुमार से जाखन में एक जमीन का सौदा किया तथा उसको पांच लाख रूपये बयाना दिया था। उसके बाद वह उसको कई बार रजिस्ट्री के लिए कहता तो वह टालमटोल करने लगता। वह जमीन की ओर से गुजर रहा था तो वहां पर मजदूरो को काम करते हुए देखा तो वह वहां पर गया तो उसको पता चला कि उक्त जमीन को ललित कुमार ने अपर चिडोवाली निवासी कैलाश प्रसाद सेमवाल व राजपुर रोड निवासी प्रेमकुमार को बेच दी है तथा उनको रजिस्ट्री भी कर दी।

ललित कुमार ने उसके साथ धोखाधडी से पांच लाख रूपये ठग लिये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पति की हत्या करने वाली महिला प्रेमी संग गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादूनं। प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या करने वाली महिला को पुलिस ने प्रेमी संग गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिर ासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जितेन्द्र नेगी पुत्र भगवान सिंह नेगी निवासी खांड गांव थाना रायवाला जनपद देहरादून द्वारा 10 मई की रात्रि को अपने भाई दीपक पुत्र भगवान सिंह नेगी अपने घर पर संदिग्ध परिस्थितियों मे मृत्यु होने के संवध मे अपनी भाभी अमिता व उसके प्रेमी सतेन्द्र नेगी (ठेकेदार) पर अपने भाई की हत्या का शक जाहिर करते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। पोस्टमार्टम में मृतक दीपक की मौत गला घोंटने से होने की पुष्टि हो गयी थी। जांच के बाद स्पष्ट हुआ कि एफ.आई. आर. मे नामजद पत्नी अमिता व ठेकेदार सतेन्द्र सिंह नेगी द्वारा अपने प्रेम प्रसंग का पता चल गया था। घटना वाले दिन सतेन्द्र नेगी दीपक के कमरे में गया तथा अमिता व सतेन्द्र आपस में सम्बन्ध बना रहे थे तभी दीपक जाग गया जिसके बाद दोनों ने चुन्नी से उसका गला दबाकर उसकी हत्या कर दी और साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से उसे बैड पर लिटा दिया । अभियुक्त सतेन्द्र नेगी के घटनास्थल से चले जाने के बाद अमिता नेगी द्वारा परिजनों को दीपक नेगी को हार्टअटैक आने की झूठी सूचना देकर वास्तविक तथ्यो को छिपाया गया। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मोटरसाईकिल चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने खुले स्थान से मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सिरमौर हिमाचल प्रदेश निवासी सलमान खान ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह कुल्हाल पीर की मजार के पास किसी काम से आया था तथा उसने अपनी मोटरसाईकिल मजार के पास खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी।

आप कार्यकर्ताओं ने श्रीदेव सुमन की जयंती पार्टी कार्यालय में मनायी

नगर संवाददाता

हरिद्वार। महान क्रांतिकारी अमर बलिदानी श्रीदेव सुमन की जयंती पर आज आप कार्यकर्ताओं ने पार्टी कार्यालय पर उन्हें याद कर जयंती मनाई गयी।

इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष नरेश शर्मा ने उन्हें पुष्प अर्पित करते हुए कहा कि श्रीदेव सुमन ने राजशाही के खिलाफ आंदोलन करते हुए शहादत दी थी। वह उत्तराखण्ड के पहले क्रांतिकारी थे जिन्होने मात्र 29 वर्ष की आयु में टिहरी रियासत और अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों के खिलाफ लड़ते हुए 84 दिन के कठिन आमरण अनशन के बाद उन्होंने शहादत दी थी। उन्होने कहा कि श्रीदेव सुमन एक क्रांतिकारी नेता के साथ-साथ समाज सुधारक भी रहे जिन्हें गढ़वाल का भगत सिंह भी कहा जाता है। उन्होंने कहा था कि यदि मरना ही है तो अपने सिद्धांतों और विश्वास की सार्वजनिक घोषणा करते हुए मरना ही श्रेयस्कर है।

आप नेता अनिल सती ने कहा कि उनकी शहादत व्यर्थ नही गयी। अपने जीते जी न सही अपनी शहादत के बाद वह अपने मकसद को पूरा कर गए। उनकी शहादत का इतना गहरा प्रभाव पड़ा कि उनके बलिदान के बाद टिहरी राज्य आंदोलन और तेज हो गया। जनता के राजशाही का खुला विद्रोह कर दिया जिसके परिणामस्वरूप टिहरी रियासत को प्रजामंडल को वैधानिक करार करने पर मजबूर होना पड़ा। ऐसे महान क्रांतिकारी समाजसेवी बलिदानी नेता को कोटि-कोटि नमन करते हैं।

इस अवसर पर नरेश शर्मा, संजय सैनी, अनिल सती, श्रवण गुप्ता, डॉ. यूसुफ, खालिद हसन, संजू नारंग, मयंक गुप्ता, सेवाराम, प्रवीण कुमार, आशीष गौड़, पवन कुमार, एड्वोकेट शहजाद, अशोक कुमार सहित कई लोग मौजूद रहे।

एक नजर

कपिल सिब्बल ने सपा के समर्थन से राज्यसभा में नामांकन दाखिल किय

नई दिल्ली। वरिष्ठ वकील और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने उत्तर प्रदेश से सपा के समर्थन से राज्यसभा में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल करने के साथ कहा कि वह पहले ही कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे चुके हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने संवाददाताओं को बताया कि सिब्बल ने पार्टी के समर्थन से राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया है। नामांकन के दौरान उनके साथ सपा अध्यक्ष के साथ साथ पार्टी के प्रमुख महासचिव रामगोपाल यादव तथा अन्य वरिष्ठ सपा नेता मौजूद थे।

नामांकन दाखिल करने के बाद सिब्बल ने स्पष्ट किया मैंने निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर नामांकन भरा है और हम अखिलेश जी का धन्यवाद करते हैं कि उन्होंने हमें समर्थन दिया है। कपिल सिब्बल ने कहा कि मैंने १६ मई को कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। सिब्बल ने कहा कि संसद में स्वतंत्र आवाज होना जरूरी है। अगर एक स्वतंत्र आवाज बोलती है तो लोग मानेंगे कि यह किसी राजनीतिक दल से नहीं है। बता दें कि, सिब्बल, कांग्रेस पार्टी के उस जी–२३ धड़े का हिस्सा थे जो पार्टी में बड़े स्तर पर बदलाव और पार्टी अध्यक्ष पद के लिए स्वतंत्र चुनाव करवाने की मांग कर रही है।

अमेरिका के एक प्राथमिक स्कूल में बंदूकधारी ने 18 बच्चों सहित 21 लोगों की हत्या की

टेक्सास। अमेरिका में सामूहिक बंदूक हिंसा की हालिया घटना में एक किशोर बंदूकधारी ने मंगलवार को दक्षिण टेक्सास के एक प्राथमिक विद्यालय में गोली चला दी, जिसमें १८ बच्चों और तीन वयस्कों की मौत हो गई। गवर्नर ग्रेग एबॉट ने कहा कि १८ वर्षीय सल्वाडोर रामोस के रूप में पहचाने जाने वाले संदिग्ध को पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल पर जवाबी कार्रवाई में मार डाला। इस दौरान गोलीबारी में दो पुलिसकर्मी भी घायल हो गए हालांकि गवर्नर ने कहा कि उनकी चोटें गंभीर नहीं हैं। अधिकारियों ने कहा कि संदिग्ध ने अकेले ही हमले की कार्रवाई को अंजाम दिया। एबॉट ने गोलीबारी के कुछ घंटे बाद एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि एक शिक्षक समेत १४ स्कूली बच्चों की मौत हो गई। लेकिन टेक्सास राज्य के सीनेटर रोलैंड गुटिरेज ने बाद में सीएनएन को टेक्सास रेंजर्स राज्य पुलिस का हवाला देते हुए बताया कि मरने वालों की संख्या १८ बच्चों और तीन वयस्कों तक पहुंच गई है। बता दें कि, इससे १० दिन पहले ही न्यूयॉर्क के बुफालो में १० लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

स्पाइसजेट एयरलाइंस पर रैंसमवेयर अटैक, विमानों का संचालन प्रभावित

नई दिल्ली। स्पाइसजेट एयरलाइंस की दिक्कतें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। एक के बाद एक अलग–अलग तरह की दिक्कतों की वजह से स्पाइसजेट एयरलाइंस लगातार चर्चा में बना हुआ है। ताजा मामला एयरलाइंस पर रैंसमवेयर हमले का है। बुधवार को कंपनी के सिस्टम में रैंसमवेयर हमले की रिपोर्ट सामने आई है। जिसकी वजह से कई विमानों का संचालन प्रभावित रहा है। आज सुबह भी कई विमानों के संचालन पर इसका असर देखने को मिला है। स्पाइसजेट एयरलाइस की ओर से आधिकारिक बयान जारी करके इस बाबत जानकारी दी गई है। स्पाइसजेट ने ट्वीट करके लिखा, बीती रात रैंसमवेयर हमले की वजह से स्पाइसजेट की विमान सेवा प्रभावित हुई है, जिसके चलते सुबह विमान के संचालन में विलंब हुआ। हमारी आईटी टीम लगातार इसपर काम कर रही है, सिस्टम को ठीक कर लिया गया है, अब विमान का संचालन सामान्य हो गया है। इससे पहले पिछले हफ्ते स्पाइसजेट फ्लाइट को दिल्ली में रोका गया था क्योंकि विमान कंपनी ने एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया को भुगतान नहीं किया था। एयरलाइंस के प्रवक्ता ने कहा था कि रोजाना भुगतान में देरी हुई थी, यह सॉफ्टवेयर में तकनीकी खराबी के चलते हुआ था, लेकिन इसके बाद विमानों का संचालन सामान्य हो गया था।

केदारधाम तो खुद बड़ा सेल्फी प्वाइंटः कांग्रेस

विशेष संवाददाता

देहरादून। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज एक बार फिर अपने बेतुके बयान के कारण चर्चाओं में हैं। केदार धाम में सीडीएस जनरल बिपिन रावत की प्रतिमा लगवाने और सेल्फी प्वाइंट बनाए जाने के उनके बयान पर न सिर्फ विपक्ष ने महाराज को आड़े हाथों लिया है और केदारधाम में किसी भी कीमत पर ऐसा सेल्फी प्वाइंट न बनने देने की घोषणा की है, वहीं खुद उनकी पार्टी और सरकार के लोग भी उनके इस बयान की निंदा कर रहे हैं।

पूर्व नेता विपक्ष और चकराता विधायक प्रीतम सिंह का कहना है कि भाजपा नेताओं को यह समझने की जरूरत है कि केदारधाम देश के करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है। वहां सिर्फ केदार बाबा के दर्शनों के लिए लोग जाते हैं आस्था कोई तमाशे का विषय नहीं है। लेकिन भाजपा को आस्था के मुद्दे पर राजनीति और लोगों की भावनाओं से

❑भाजपा व सतपाल पर आस्था से खिलवाड़ करने का आरोप
❑सीडीएस बिपिन रावत की मूर्ति लगवाने के बयान पर बवाल

खेलने की आदत पढ़ चुकी है। केदारधाम तो खुद में सबसे बड़ा सेल्फी पॉइंट है। केदारधाम के साथ किसी भी अन्य नाम को नहीं जोड़ा जा सकता है। उधर कांग्रेसी नेता गरिमा दसोनी का कहना है कि भगवान केदार 12वें ज्योतिर्लिंग हैं। अगर सतपाल महाराज वहां किसी की मूर्ति लगाने की बात कर रहे हैं तो वह केदार धाम का अपमान है और कांग्रेस किसी भी कीमत पर ऐसा नहीं करने देगी। कुछ लोगों का तो यहां तक कहना है कि अगर सतपाल महाराज के लिए सीडीएस बिपिन रावत केदार बाबा से बड़े भगवान है तो उनकी मूर्ति अपने घर में लगवा लें और खूब आरती करें।

सतपाल महाराज के बयान को लेकर सोशल मीडिया पर भी उनकी लोग खूब खिंचाई कर रहे हैं। वहीं उनकी अपनी पार्टी के लोग भी उनके इस बयान पर आपत्ति जताते हुए कह रहे हैं कि केदार धाम के बारे में इस तरह की बयान बाजी उन्हें नहीं करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि सतपाल महाराज द्वारा पूर्व समय में भी अभिनेता सुशांत राजपूत की मूर्ति लगाने व सेल्फी पॉइंट बनाने की बात कही गयी थी। फिल्म केदारनाथ में नायक रहे सुशांत राजपूत की मौत के बाद सतपाल महाराज ने केदारधाम में उनकी मूर्ति लगाने व सेल्फी प्वाइंट बनाने की बात कही थी।

दो माह से लापता युवक का सुराग नहीं

संवाददाता

देहरादून। दो माह से गायब युवक का अभी तक कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर निवासी रामकरन ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका साला राजीव राठौर जो की रायपुर खाले में किराये के कमरे पर रहता था जो की 26 मार्च को रायपुर खाले से ये बोलकर निकला था की वह हरदोई जा रहा है परन्तु अभी तक वो हरदोई अपने घर नही पहुंचा है । जिसको सारी जगह तलाश कर लिया है परन्तु उसका कही कुछ पता नही लग रहा है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पति व ननद पर मारपीट का मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पति व ननद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नेहरू ग्राम गढवाली कालोनी निवासी प्रीति ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका अपने पति से केस कोर्ट में चल रहा है।

21 मई को समय 11 बजे के करीब उसका पति राजेश कुमार उनकी बहन कृष्णा सक्सेना भांजी निकिता राणा ने उसके घर में घुसकर व उसकी बेटी सिद्धी को बहुत मारा और उसको बालकनी से फेकने की कोशिश की वह और उसके बच्चे उस घर में अकेले रहते है। उनके परिवार से जान का खतरा है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आश्रय गृह में किशोरी की आत्महत्या से हड़कंप

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। न्यायालय के आदेश पर आश्रय गृह रावली महदूद रोशनाबाद भेजी गई एक किशोरी ने आज सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली गयी है। किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में आत्महत्या किये जाने से मौके पर हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस के आलाधिकारियों ने आश्रय गृह पहुंचकर घटना की जानकारी लेकर जांच शुरू कर दी गयी है।

जानकारी के अनुसार बहादराबाद क्षेत्र के बोंगला गांव की एक किशोरी 22 मई को संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गई थी। उसके पिता ने गुमशुदगी दर्ज कराई थी। जिसके बाद पुलिस ने उसे सहारनपुर के देवबंद से बरामद कर लिया गया था। कोर्ट में पेश करने के बाद उसे मेडिकल होने तक रावली महदूद क्षेत्र के आश्रय गृह भेज दिया गया था। बताया जा रहा है कि किशोरी ने आज सुबह नाश्ता करने के बाद संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। किशोरी का शव फांसी पर लटका मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस पूरे मामले की जानकारी लेने में जुटी हुई है। उसके परिजनों को भी बुला लिया गया है। चूंकि, किशोरी को आश्रय गृह की देखरेख में दिया गया था, इसलिए इस पूरे मामले से आश्रय गृह प्रबंध न की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं।

दुकान बेचने के नाम पर लाखों की धोखाधडी

संवाददाता

देहरादून। दुकान बेचने के नाम पर पांच लाख रूपये की धोखाधडी में पुलिस ने चार लोगों को नामजद करते हुए मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बसंत विहार निवासी बॉबी त्यागी ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पहचान 2020 में ओम बहादुर थापा पुत्र लालबहादुर थापा, विक्की थापा पुत्र ओमबहादुर थापा, सुनित थापा पुत्र विक्की थापा व गीता थापा पत्नी विक्की थापा के साथ हुई थी। उक्त लोगों ने उससे कहा कि चन्द्रबनी खालसा में उनकी एक दुकान है तथा वह उसको बेचना चाहते है। उसने दुकान देखी और पसंद आ गयी तथा उसका सौदा नौ लाख 44 हजार रूपये में हो गया तथा अनुबन्ध पत्र तैयार किया गया उसने उनको दो लाख रूपये बयाना दे दिया तथा एक लाख बीस हजार रूपये विक्की थापा के पुत्र सुनित थापा ने गूगल पे से उससे लिये थे।

उसने बताया कि इसी दौरान विक्की का पुत्र उसके बेटे से दो लाख रूपये ओर ले गया था। जब उसने रजिस्ट्री की बात कही तो उन्होने कहा कि ओम बहादुर की मौत हो गयी है और वह रजिस्ट्री नहीं करेंगे जिससे वह ठगा सा रह गया। जिसके बाद उक्त लोगों ने रूपया देने से भी इंकार कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।